महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 323 | उज्जैन, मंगलवार 05 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

वो हाथ सदा पवित्र होते है, जो प्रार्थना से पहले सेवा के लिये उठते है...

सरकार खरीदेगी दूध, पशुपालकों को दिलाएगी दूध का समुचित दाम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

किसान कल्याण वर्ष में पशुपालकों और दूध उत्पादकों का भी करेंगे कल्याण

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्वालियर बहुत पुण्य भूमि है, जहां प्राचीनकाल से गौवंश और गौपालन की समृद्ध परम्परा रही है। हम पशुपालन और डेयरी को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ के रूप में तैयार कर रहे हैं। दुग्ध व्यवसाय हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह सभी पशुपालकों के आर्थिक स्वावलंबन का मजबूत माध्यम है। हम प्रदेश के हर किसान और पशुपालक को समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सरकार डेयरी क्षेत्र में नवाचार करते हुए निवेश भी बढ़ाने के लिए सभी प्रयास कर रही है। निवेश आयेगा, तो इस सेक्टर में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। हम हमारे युवाओं को गांवों में ही रोजगार मुहैया कराने के लिए सभी बेहतर संभावनाओं पर फोकस कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश दुग्ध उत्पादन में भी अग्रणी राज्य बने, यही हमारा लक्ष्य है। पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों की आमदनी में वृद्धि करने के लिए हम मिशन मोड पर काम कर रहे हैं। प्रदेश में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार हर जरूरी कदम उठा रही है। हम अपने प्रयासों से मध्यप्रदेश को देश का मिल्क केपिटल बनाकर रहेंगे। इसके लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल, बेहतर प्रबंधन और सभी पशुपालकों एवं दुग्ध उत्पादकों की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को मिल्क केपिटल बनाने में ग्वालियर बड़ी भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को ग्वालियर में राज्य स्तरीय पशुपालक एवं दुग्ध उत्पादक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलन कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए और सम्मेलन में मौजूद सभी को पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन से जुड़कर प्रदेश को मिल्क केपिटल बनाने में सहयोग देने का संकल्प भी दिलाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर क्षेत्रीय पशुपालकों को अपने पशुधन के स्वास्थ्य एवं उपचार की स्थानीय स्तर पर सुविधा मुहैया कराने के लिए ग्वालियर में पशुओं का केयर एंड वेलनेस सेंटर खोलने, ग्वालियर के पशु स्वास्थ्य एवं उपचार केन्द्र का उन्नयन करने तथा डबरा में नया पशु चिकित्सालय खोलने की घोषणा की। सम्मेलन के दौरान प्रदेश में पशुपालकों को सरकार द्वारा दिए जा रहे प्रोत्साहन की सफलता की कहानियों तथा पशुधन विकास पर केन्द्रित वीडियो फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

हर ब्लाक में बनाया जा रहा है एक-एक वृंदावन ग्राम- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पशुपालक प्रदेश की आर्थिक समृद्धि का प्रमुख आधार हैं। किसान कल्याण वर्ष में हमारी सरकार पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों के समग्र कल्याण में भी कोई कसर नहीं रखेगी। गाय का हो या भैंस का, सरकार पशुपालकों से सारा का सारा दूध खरीदेगी और इन्हें दूध का समुचित दाम भी दिलाएगी। मुख्यमंत्री ने अपील करते हुए कहा कि सभी पशुपालक स्वस्थ और उच्च कोटि का पशुधन पालें। सरकार की डा. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना का अधिकतम लाभ उठायें। पशुपालकों को हर संभव सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौवंश को पर्याप्त और बेहतर आहार मिले, इसके लिए दी जाने वाली सहायता राशि हमने 20 रूपए से बढ़ाकर 40 रूपए प्रति गौवंश कर दी है। प्रदेश के हर ब्लॉक में एक-एक वृंदावन ग्राम बनाया जा रहा है, जिससे दुग्ध उत्पादन और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान भाई कदापि चिंता न करें। प्रदेश में कहीं भी, किसी भी विकास अधोसंरचना निर्माण के लिए यदि सरकार किसानों से उनकी जमीन लेगी, तो अब उन्हें चार गुना मुआवजा दिया जाएगा। प्रदेश के विकास में सहयोगी किसानों के प्रति यही हमारी कृतज्ञता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के हर गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और हर किसान, पशुपालक, दुग्ध उत्पादक को आत्मनिर्भर बनाने में डेयरी सेक्टर एक मजबूत आधार है। हमारी सरकार दुग्ध उत्पादन एवं इसके जरिए स्वावलंबन को ग्रामीण विकास का प्रमुख स्तंभ बनाकर प्रदेश को नई आर्थिक ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूध का कोई विकल्प नहीं है। यह गौवंश के दूध का पुण्य-प्रताप ही है कि हमारा देश और प्रदेश तेजी से चहुमुंखी विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष गेहूं का बम्पर उत्पादन हुआ है। गेहूं उपार्जन जारी है। सरकार गेहूं उत्पादक किसानों का दाना-दाना खरीदेगी।

न्यूज ब्रीफ

कटिहार के स्कूल में मटन पार्टी के मामले में 3 शिक्षक सस्पेंड, चौथे पर कार्रवाई की तैयारी

कटिहार/ जीएनएस। आजमनगर प्रखंड के अंतर्गत आलमपुर पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुशहा में मटन पार्टी के मामले में बड़ी कार्रवाई की गई थी। विद्यालय के तीन शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया है, जबकि चौथे के निलंबन के लिए नियोजन इकाई को लिखा गया है। शिक्षा विभाग ने स्कूल के तीन शिक्षकों में विशिष्ट शिक्षक मु. ओवेदुर रहमान, जीनत आरा व खुशवक्त को निलंबित कर दिया है। मु. अंजार आलम के निलंबन के लिए नियोजन इकाई, आजमनगर को आदेश निर्गत किया है। स्थापना डीपीओ द्वारा यह कार्रवाई दो मई को की गई है। इससे संबंधित पत्र चार मई को जारी हुआ। इन शिक्षकों की जगह पर स्कूल में दूसरे शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति अभी नहीं हो पाई है। बता दें कि एक छात्रा से निकाह के बदले शिक्षकों ने स्कूल में मटन की पार्टी ली थी। 28 अप्रैल को यह पार्टी दी गई थी। तब अभिभावकों ने स्कूल में प्रतिबंधित मांस का आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया था। तब से अभिभावक बच्चों को स्कूल नहीं भेज रहे थे। ग्रामीणों ने बताया कि बच्चों के स्कूल नहीं जाने को लेकर अब तक अभिभावकों से संवाद स्थापित नहीं किया गया। केकन देवी, सुबोध यादव, कल्पना देवी, लाल यादव, हिनो देवी, पवन यादव, भोवराज कुमार सिंह और लाखन सिंह सहित कई लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि बच्चों की पढ़ाई ठप है। घटना के बाद ग्रामीणों ने हंगामा करते हुए शिक्षकों के स्थानांतरण की मांग को लेकर भी हंगामा किया था। मामले की जांच रिपोर्ट को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं थी। मध्याह्न भोजन योजना के डीपीओ निशित कुमार के अनुसार जांच रिपोर्ट गुरुवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी को सौंप दी गई है। वहीं, डीईओ राहुल चंद्र चौधरी ने बताया कि आगे की कार्रवाई के लिए फाइल डीपीओ स्थापना को भेजी गई है। दो मई को कार्रवाई कर दी गई।

स्पाइसजेट को दिल्ली हाई कोर्ट से झटका, 144 करोड़ रुपये जमा करने के आदेश की समीक्षा याचिका खारिज

नई दिल्ली/ जीएनएस। कलानिधि मारन और कल एयरवेज के साथ चल रहे कानूनी विवाद के सिलसिले में 144 करोड़ रुपये जमा करने के पहले के आदेश की समीक्षा की स्पाइसजेट की मांग को दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को ठुकरा दिया। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने एयरलाइन और इसके प्रमोटर अजय सिंह पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। मामले पर निर्णय सुनाते हुए पीठ ने कहा कि 50,000 रुपये के जुर्माने के साथ याचिका खारिज की जाती है। 19 जनवरी को हाई कोर्ट ने स्पाइसजेट और अजय सिंह को निर्देश दिया था कि वे 194 करोड़ रुपये की स्वीकार की गई देनदारी के मुकाबले छह सप्ताह के भीतर रजिस्ट्री में 144 करोड़ रुपये जमा करें। 18 मार्च को जमा करने की समय सीमा चार सप्ताह के लिए बढ़ा दी गई थी। अजय सिंह और उनकी एयरलाइन ने 18 मार्च के निर्देश पर कई आधारों पर पुनर्विचार की मांग की थी और इसमें पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण पैदा हुआ वित्तीय संकट का हवाला दिया गया था। इसके बजाय, स्पाइसजेट ने गुरुग्राम में एक कमर्शियल संपत्ति को सिक्योरिटी के तौर पर पेश किया और कोर्ट को बताया कि केंद्र सरकार उसे कुछ मदद देने को तैयार है। मारन और कल एयरवेज़ ने समीक्षा याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा कि वित्तीय संकट से जुड़े मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट पहले ही विचार कर चुका है और उन्हें खारिज भी कर चुका है। यह मामला स्पाइसजेट के कंट्रोलिंग शेयरहोल्डर सिंह को मालिकाना हक ट्रांसफर होने के बाद, मारन के पक्ष में वारंट जारी न किए जाने से जुड़े विवाद से जुड़ा है।

चेन्नई में ऑटो ड्राइवर का कमालः TVK के विजय धामु ने DMK-AIADMK के दिग्गजों को हराया

नई दिल्ली/ जीएनएस। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 में चेन्नई की रॉयापुरम सीट से एक चौंकाने वाला नतीजा सामने आया है। पेशे से ऑटो ड्राइवर के. विजय धामु ने डेब्यू कर रही तमिलगा वेत्री कषगम के टिकट पर चुनाव जीतकर राजनीतिक दिग्गजों को बड़ा झटका दिया है।

विजय धामु ने 55 हजार से ज्यादा वोट हासिल करते हुए करीब 14 हजार वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। इस जीत की खास बात यह रही कि उन्होंने ढ्ढरूद्म के कद्दावर नेता और पांच बार के विधायक डी. जयकुमार को तीसरे स्थान पर धकेल दिया, जिन्हें महज 18 हजार के आसपास वोट मिले।

ष्ठरूद्म के उम्मीदवार सुबैर खान दूसरे स्थान पर रहे, लेकिन वे भी ÷विजय लहर÷ के सामने टिक नहीं सके।

आम आदमी की जीत- विजय धामु लंबे समय से अभिनेता विजय के फैन क्लब नेटवर्क विजय मक्कल इयक्कम से जुड़े रहे हैं। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार में खुद को एक आम आदमी के तौर पर पेश किया। उनका कहना था, हमें नया चेहरा कहा जा सकता है, लेकिन हम वर्षों से जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं।

उम्मीदवार घोषणा के दौरान विजय और धामु की भावुक तस्वीर–जिसमें धामु उन्हें गले लगाते नजर आए–अब इस जीत का प्रतीक बन गई है।

'थलापति फैक्टर' का असर- TVK प्रमुख विजय ने हर सीट पर खुद को मुख्य चेहरा बनाकर चुनाव लड़ा, जिससे उम्मीदवारों को उनकी स्टार पावर का सीधा फायदा मिला।

इन तीन फैक्टर ने किया कॉकटेल वाला कमाल, 103 हिंदू बहुल सीटों में से 100 पर भाजपा की जीत

नई दिल्ली/ जीएनएस। असम में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के लिए विकास, लाभकारी योजनाएं और हिंदुत्व के कॉकटेल को अहम माना जा रहा है। लाभकारी योजनाओं के सहारे भाजपा एक ओर महिलाओं और मजदूरों को साधने में सफल रही, तो विकास योजनाओं के सहारे युवाओं के उज्जवल भविष्य का सपना दिखाने में सफल रही।

वहीं मियां मुसलमानों (बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों) के खिलाफ हिमंत बिस्व सरमा की मुहिम ने नस्ल, क्षेत्र और भाषा में बटे हिंदुओं के एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई। वही सरमा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों पर आधारित कांग्रेस का अभियान परवान नहीं चढ़ सका और चुनाव के ठीक पहले बड़े नेताओं के पार्टी छोड़ने का असर सामान्य कार्यकर्ताओं के गिरे मनोबल के रूप में साफ-साफ देखा गया। राष्ट्रीय स्तर पर विरोध के बाद असम भाजपा को भले ही मियां मुसलमानों को हिमंत बिस्व सरमा द्वारा गोली मारने का वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल से भले ही डिलीट करना पड़ा हो, लेकिन भाजपा पहली बार भरोसा दिलाने में सफल रही कि लंबे समय से अवैध बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों की समस्या से निजात भी मिल सकती है।

उनके अवैध कब्जे से 1.5 लाख बीघा जमीन खाली कराने से लेकर अवैध घुसपैठियों को तत्काल वापस भेजने के लिए 1950 के कानून को लागू कर हिमंत बिस्व सरमा ने इससे निपटने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता साबित करने में सफल रहे। इससे बोडो, चाय बगान मजदूर, अहोम, कार्बी और आदिवासी जैसे विभिन्न हिस्से में बंटे हिंदुओं को एकजुट करने में सफल रहे।

सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री अधिकारियों को फटकार, कहा-खुद को समझते हैं सुपर चीफ जस्टिस

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही रजिस्ट्री कार्यालय की कड़ी निंदा करते हुए उसके आचरण को घटिया करार दिया और कहा कि उसके अधिकारी खुद को %सुपर सीजेआई% समझते हैं।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने 37 हजार करोड़ रुपये से अधिक की निवेश धोखाधड़ी के मामले में आरोपित आयुषी मित्तल उर्फ आयुषी अग्रवाल द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

प्रधान न्यायाधीश ने याचिका पर 23 मार्च को पारित एक आदेश का हवाला दिया और आश्चर्य जताया कि रजिस्ट्री अधिकारियों ने यह कैसे मान लिया कि पीठ ने याचिका पर ईडी और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी नहीं किया। रजिस्ट्री बहुत घटिया तरीके से काम कर रही है। रजिस्ट्री का यह रवैया बिल्कुल ठीक नहीं है। यहां बैठा हर व्यक्ति खुद को सुपर चीफ जस्टिस समझता है।

पीठ ने अपने नए आदेश में कहा-ईडी निदेशक को यह बताते हुए कोई नोटिस जारी नहीं किया गया है कि ऐसा कोई आदेश पारित नहीं किया गया था। (शीर्ष अदालत के) न्यायिक रजिस्ट्रार इस बात का तथ्यान्वेषण करें कि 23 मार्च के हमारे आदेश का अर्थ ईडी को नोटिस जारी नहीं करना कैसे है। ईडी को नोटिस भेजा जाए।

याचिकाकर्ता आयुषी मित्तल, उनके पति और उनकी कंपनी पर बड़े पैमाने पर निवेश संबंधी धोखाधड़ी करने का आरोप है। बचाव पक्ष का दावा है कि निवेशकों को धनराशि का एक बड़ा हिस्सा लौटा दिया गया है, लेकिन फिलहाल ईडी द्वारा फ्रीज किए गए बैंक खातों में कई सौ करोड़ रुपये फंसे हुए हैं।

स्मार्ट सिटी के दावों के बीच मंदिरों का शहर जम्मू डूबा अंधेरे में

जम्मू/ जीएनएस। मंदिर का शहर जम्मू इन दिनों अंधेरे के साए में है। शहर की मुख्य सड़कों से लेकर मोहल्लों की गलियों तक, खराब स्ट्रीट लाइटें प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगा रही हैं। नगर निगम के तमाम दावों के बावजूद जमीनी हकीकत यह है कि शहर भर में एक हजार से अधिक स्ट्रीट लाइटें ठप पड़ी हैं, जिससे न केवल आवाजाही प्रभावित हो रही है, बल्कि चोरी और झपटमारी जैसी वारदातों का खतरा भी बढ़ गया है। विभिन्न वार्डों के पूर्व कारपोरेटरों और स्थानीय निवासियों ने इस गंभीर मुद्दे पर अपना कड़ा रोष प्रकट किया है। वार्ड प्रतिनिधियों के अनुसार, शिकायतें करने के बावजूद नगर निगम और संबंधित एजेंसियां कुंभकर्णी नींद सोई हुई हैं। जम्मू नगर निगम और ईईएसएल के बीच समन्वय की कमी का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। जहां एक तरफ स्मार्ट सिटी के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, वहीं स्ट्रीट लाइट का इस तरह ठप होना प्रशासन की जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े करता है।

14 रोड शो और 50 जनसभाएं... बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत में निर्णायक साबित हुईं मोदी-शाह की रैलियां

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह की रैलियां व रोडशो निर्णायक साबित हुईं। चुनाव अभियान का आगे बढ़कर नेतृत्व करते हुए प्रधानमंत्री ने कुल 19 रैलियों को संबोधित किया और दो रोडशो भी किये। वहीं अमित शाह ने 30 जनसभाओं को संबोधित किया और 12 रोड शो किये।

पीएम मोदी ने 19 रैलियां और 2 रोडशो किए- इसके साथ ही शाह ने कई प्रेस कांफ्रेंस कर चुनावी मुद्दों को स्पष्ट कर आम जनता में भरोसा कायम करने का काम किया। प्रधानमंत्री मोदी की 19 रैलियों के सहारे बंगाल के हर हिस्से को साधने की कोशिश की। ये रेलियां तामलुक, कूचबिहार दक्षिण, आसनसोल, बीरभूम, कटवा, जांगीपुर, दक्षिण दीनाजपुर, सिलिगुरी, बिष्णुपुर, पुरूलिया झारग्राम, मेदनीपुर, कृष्णानगर, मथुरापुर, दमदम, जाधवपुर, बनगांव, आरामबाग और बैरकपुर में हुई।

झारग्राम में प्रधानमंत्री मोदी ने सड़क किनारे झालमुड़ी खाकर ममता बनर्जी के बंगाली अस्मिता के कार्ड को ध्वस्त कर दिया। इस अकेले वीडियो को एक दिन में 20 करोड़ से अधिक लोगों ने सोशल मीडिया पर देखा। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा के लिए सबसे मुश्किल माने जाने वाले कोलकाता और हावड़ा में रोडशो कर जनता का दिल जीतने का काम किया। पश्चिम बंगाल में कमल खिलाने के मिशन पर एक दशक से लगे अमित शाह की छाप भाजपा के पूरे अभियान पर दिखी।

चुनाव प्रचार के दौरान शाह 15 दिनों तक पश्चिम बंगाल में डटे रहे। रैलियों, रोडशो और प्रेस कांफ्रेंस के अलावा उन्होंने पश्चिम बंगाल में पांच जोन में बांटकर चुनाव अभियान को संचालित किया। पांचों जोन में रात्रि विश्राम कर उन्होंने रात एक से दो बजे तक संगठन की बैठकें ली और अभियान को सुचारू रूप से चलाने के लिए जरूरी निर्देश भी दिये। पूरे चुनाव अभियान में अमित शाह की रणनीति स्पष्ट रही।

शाह ने फर्जी वोटर व घुसपैठियों पर रणनीति बनाई- एसआईआर में एक भी फर्जी वोटर नहीं बचना चाहिए, ताकि टीएमसी उनके नाम पर छापा वोट नहीं डाल सके। मतदान केंद्रों पर टीएमसी की ओर हिंसा के पुराने पैटर्न से सीख लेते हुए उन्होंने भाजपा के 100 फीसद वोट 11 बजे तक डालने का लक्ष्य दिया।

पहले फेज के वोटिंग के दिन शाह खुद भाजपा के कंट्रोल रूम में बैठकर मतदान प्रक्रिया का जायजा लेते रहे। उन्होंने टीएमसी के गुंडों को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि वे बाहर आकर मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश तो, उन्हें उल्टा लटकाकर सीधा कर देंगे।

स्वच्छता जोड़ी अभियान से देपालपुर का कायाकल्प, महापौर ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता जोड़ी अभियान के तहत देपालपुर नगर परिषद अब स्वच्छ और सुंदर शहर के रूप में उभरता नजर आ रहा है। इसी क्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सोमवार सुबह देपालपुर का दौरा कर स्वच्छता व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और कार्यों की सराहना करते हुए नागरिकों से फीडबैक भी लिया।

निरीक्षण के दौरान स्वच्छता प्रभारी अश्विनी शुक्ला, अपर आयुक्त प्रखर सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष, स्थानीय पार्षद एवं निगम अधिकारी मौजूद रहे। महापौर ने देपालपुर के प्रमुख मार्गों, बाजार और आवासीय क्षेत्रों का भ्रमण कर डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, नालियों की सफाई और समग्र स्वच्छता व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। साथ ही ऑन-ग्राउंड टीम के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान आरआरआर गतिविधियों का अवलोकन करते हुए महापौर ने नागरिकों से संवाद कर उनके सुझाव भी प्राप्त किए। ट्रेंचिंग ग्राउंड और पूर्व में उपयोग की गई साइट का निरीक्षण कर वर्तमान स्थिति की तुलना की गई तथा लिगेसी वेस्ट निपटान और कचरा प्रोसेसिंग व्यवस्था की समीक्षा की गई। ग्रामीण चौपाल में सफाई मित्रों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से चर्चा कर स्वच्छता को लेकर सुझाव लिए गए और सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

देपालपुर मंडी के निरीक्षण के दौरान महापौर ने इसे और अधिक व्यवस्थित व आकर्षक बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने इंदौर की तर्ज पर एकरूपता के साथ साइन बोर्ड और व्यवस्थाएं विकसित करने की बात कही। स्थानीय दुकानदारों से मालवी भाषा में संवाद करते हुए उन्होंने सफाई व्यवस्था की जानकारी ली, जिस पर दुकानदारों ने नियमित सफाई और प्लास्टिक के बजाय कागज के उपयोग की जानकारी दी।

महापौर ने एक बुजुर्ग महिला से भी बातचीत की, जो झाड़ू बनाती हैं। महिला ने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था में हुए सुधार की सराहना की। वहीं वर्षों पुरानी बावड़ी के सफाई कार्य का निरीक्षण कर उन्होंने संतोष व्यक्त किया और इसे स्वच्छ जल स्त्रोत के रूप में विकसित करने के प्रयासों की प्रशंसा की। शहर में दीवारों पर वॉल पेंटिंग के माध्यम से स्वच्छता संदेश भी दिए जा रहे हैं।

तीन राज्यों में भाजपा की जीत पर इंदौर में जश्न, कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद इंदौर में भाजपा जिला कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और लड्डू बांटकर खुशी का इजहार किया।

भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने कहा कि यह जीत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किए जा रहे विकास कार्यों और सुशासन की नीतियों पर जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने इसे ऐतिहासिक जनादेश बताते हुए कहा कि जनता ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र पर मुहर लगाई है।

चावड़ा ने इस जीत के लिए मतदाताओं, कार्यकर्ताओं और पार्टी नेतृत्व को बधाई देते हुए कहा कि देश की जनता विकास, सुरक्षा और स्थिरता के साथ खड़ी है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में भी भाजपा इसी तरह की ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी और जनसेवा व राष्ट्र निर्माण के संकल्प को और मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने उत्साहपूर्वक जीत का जश्न मनाया।

जिला रोजगार कार्यालय इंदौर में एक दिवसीय रोजगार मेले (युवा संगम) का हुआ आयोजन

91 युवक-युवतियों को विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में मिला रोजगार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन और जिला प्रशासन के निर्देशानुसार बेरोजगार आवेदकों को रोजगार और स्वरोजगार देने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय इंदौर द्वारा 4 मई 2026 को एक दिवसीय रोजगार मेले (युवा संगम) का आयोजन जिला रोजगार कार्यालय में किया गया। युवा संगम कार्यक्रम में कुल 12 कंपनियों के 300 से अधिक विभिन्न रिक्त पदों की पूर्ति हेतु इनके प्रतिनिधियों द्वारा साक्षात्कार लेकर निजी कंपनी में रोजगार और अप्रेन्टिनशीप हेतु प्रारम्भिक रूप से चयन किया गया। इस युवा संगम कार्यक्रम में कुल 183 पंजीयन हुए, जिनमें 152 युवक और 31 युवतियों ने भाग लिया। उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा 73 युवक और 18 युवतियों का प्रारंभिक रूप से फार्मशिस्ट, एचआर, सेल्स एक्जीक्यूटिव, सहायक प्रबंधक, डिजिटल मार्केटिंग, टेलीकॉलर, बेक ऑफिस, ट्रेनी,फीटर, वेल्डर, इलेक्ट्रिशियन, आपरेटर आदि पदों के लिए चयन किया गया।

इंदौर फायर सर्विस को मिलेगा नया बल, 33 कर्मियों का प्रशिक्षण शुरू

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए नगर निगम द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशन में इंदौर फायर सर्विस को सुदृढ़ और आधुनिक बनाने के उद्देश्य से जहां एक ओर उन्नत तकनीक से लैस फायर फाइटिंग रोबोट का उपयोग शुरू किया गया है, वहीं दूसरी ओर फायर स्टेशनों पर स्टाफ की कमी दूर करने के लिए नए कर्मचारियों की नियुक्ति कर उन्हें प्रशिक्षित किया जा रहा है।

अपर आयुक्त एवं प्रमुख अधीक्षक फायर आशीष कुमार पाठक ने बताया कि नगर निगम द्वारा आउटसोर्स माध्यम से 33 फायर हेल्पर एवं चालकों की नियुक्ति की गई है। इन सभी नव-नियुक्त कर्मचारियों को लक्ष्मीबाई नगर स्थित फायर स्टेशन के प्रशिक्षण केंद्र में एक माह का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को फायर उपकरणों के संचालन, विभिन्न प्रकार की आग की पहचान और नियंत्रण की तकनीक, फायर वाहनों के संचालन तथा आधुनिक उपकरणों के उपयोग की व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है। इसका उद्देश्य उन्हें आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए तैयार करना है।

अधिकारियों के अनुसार प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद इन कर्मियों को शहर के विभिन्न फायर स्टेशनों पर तैनात किया जाएगा, जिससे बल की कमी दूर होगी और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पहले से अधिक सशक्त बन सकेगी। नगर निगम का मानना है कि इस पहल से शहर में किसी भी आपदा की स्थिति में तेजी और दक्षता के साथ राहत कार्य सुनिश्चित किया जा सकेगा।

सीएम हेल्पलाइन का गुणवत्तापूर्ण समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा पत्रों के निराकरण की समीक्षा बैठक सम्पन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय में समय-सीमा (टीएल) के पत्रों के निराकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा लंबित प्रकरणों, शिकायतों एवं आवेदनों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि शासन के निर्देशानुसार सभी प्रकरणों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए कहा कि जहां भी लापरवाही पाई जाएगी, संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पंवार, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य, अपर आयुक्त नगर ?निगम श्री एन.एन. पाण्डे, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री अर्थ जैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

नेशनल लोक अदालत 9 मई को, संपतिकर व जलकर के सरचार्ज में 100% तक छूट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के करदाताओं के लिए बकाया कर जमा करने का सुनहरा अवसर सामने आया है। नगर निगम द्वारा 9 मई 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें संपतिकर और जलकर के सरचार्ज में 100 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जाएगी। यह आयोजन निगम मुख्यालय सहित शहर के सभी 22 जोनल कार्यालयों और रजिस्ट्रार कार्यालय में किया जाएगा।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव, आयुक्त क्षितिज सिंघल और राजस्व प्रभारी निरंजन सिंह चौहान ने बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार आयोजित इस लोक अदालत में करदाताओं को बकाया राशि जमा करने पर अधिभार में विशेष छूट का लाभ मिलेगा। संपतिकर के मामलों में 50 हजार रुपये तक की बकाया राशि पर 100 प्रतिशत, 50 हजार से 1 लाख रुपये तक पर 50 प्रतिशत और 1 लाख रुपये से अधिक बकाया पर 25 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी।

इसी तरह जलकर के बकाया मामलों में 10 हजार रुपये तक पर 100 प्रतिशत, 10 हजार से 50 हजार रुपये तक पर 75 प्रतिशत और 50 हजार रुपये से अधिक बकाया पर 50 प्रतिशत तक अधिभार में छूट का प्रावधान रखा गया है।

नगर निगम प्रशासन ने सभी संपतिकर और जलकरदाताओं से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए नेशनल लोक अदालत में पहुंचकर अपना बकाया कर जमा करें और अधिभार में दी जा रही छूट का फायदा लें। अधिकारियों ने कहा कि इससे न केवल करदाताओं को राहत मिलेगी, बल्कि शहर के विकास कार्यों में भी गति आएगी।

गरुड़ पोर्टल से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की होगी केंद्रीकृत रीयल-टाइम मॉनिटरिंग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गरुड़ पोर्टल से प्रदेश के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की केंद्रीकृत रीयल-टाइम मॉनिटरिंग की जायेगी। इससे कार्यप्रणाली में पारदर्शिता के संचार के साथ संचालन की दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। इससे सीवेज प्रबंधन की गुणवत्ता को और अधिक बेहतर बनाया जा सकेगा और समय पर निर्णय लेने में सुविधा होगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी (एमपीयूडीसी) द्वारा राज्य में सीवेज प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़, आधुनिक एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल की गई है।

मध्यप्रदेश में अपनी तरह की यह प्रथम केंद्रीकृत निगरानी प्रणाली है, जो वास्तविक समय में डेटा ट्रैकिंग के साथ-साथ उत्कृष्ट परिचालन निरीक्षण एवं त्वरित निर्णय लेने की प्रक्रिया को अत्यंत सशक्त बनाती है। इस युगांतरकारी व नवाचारपूर्ण पहल से राज्य में पर्यावरण संरक्षण, जल गुणवत्ता के संवर्धन एवं नगरीय स्वच्छता के संकल्प को अभूतपूर्व मजबूती मिलने की पूर्ण अपेक्षा है। आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने बताया कि विभाग के अंतर्गत संचालित कुल 42 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) में अत्याधुनिक एससीएडीए सह ओसीईएमएस प्रणाली को सफलतापूर्वक स्थापित व लागू कर दिया गया है। विदित हो कि पूर्व में इन संयंत्रों से प्राप्त होने वाला डेटा केवल संबंधित एसटीपी परिसर तक ही सीमित रहता था, जिसके कारण संपूर्ण व्यवस्था की समग्र निगरानी में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

किंतु, इस नूतन प्रणाली के क्रियान्वयन से अब बॉयोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड , केमिकल ऑक्सीजन डिमांड सीओडी, पीएच एवं टोटल सस्पेंडेड सॉलिड्स जैसे सभी प्रमुख जल गुणवत्ता मापदंडों की रीयल-टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा रही है। इन सभी तकनीकी पैमानों की निगरानी अब यूएडीडी कार्यालय के गरुड़ पोर्टल के माध्यम से केंद्रीकृत रूप में की जा रही है, जिसके फलस्वरूप सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स के प्रदर्शन पर अनवरत एवं प्रभावी दृष्टि रखी जा सकेगी।

मध्यप्रदेश में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लगभग 52 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) संचालित हैं, जिनमें यह उन्नत एससीएडीए एवं ओसीईएमएस प्रणाली कार्यरत है। विभाग द्वारा यह लक्ष्य निर्धारित किया गया है कि शेष 12 एसटीपी का डेटा भी लगभग 30 अप्रैल 2026 तक गरुड़ पोर्टल पर उपलब्ध हो जाएगा, जिससे राज्य के सभी प्रमुख एसटीपी एक ही डिजिटल पटल पर पूर्णतः एकीकृत हो सकेंगे।

इंदौर में जिंसी क्षेत्र में सड़कों की चौड़ाई कम होगी या नहीं

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मास्टर प्लान की सड़कों की चौड़ाई को लेकर असमंजस बरकरार है। रहवासी इन सड़कों की चौड़ाई कम करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि चौड़ाई कम करने से नुकसान कम होगा। जो मकान फिलहाल पूरी तरह से टूट रहे हैं, उनका एक बड़ा हिस्सा बच जाएगा।

इधर निगमायुक्त का कहना है कि मास्टर प्लान की सड़कों की चौड़ाई कम करने की मांग के बारे में शासन को सूचित कर दिया है।जैसे निर्देश मिलेंगे वैसा काम करेंगे, लेकिन फिलहाल कुछ भी निश्चित नहीं है। इधर रहवासियों ने अपने-अपने हिसाब से बाधक निर्माण हटाना शुरू कर दिया है।

मास्टर प्लान के हिसाब से जिंसी-लक्ष्मीबाई प्रतिमा तक की सड़क की चौड़ाई 80 फीट प्रस्तावित है। रहवासी इसे 60 फीट करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि फिलहाल 76 मकान बाधक हैं, चौड़ाई कम करने से इनमें से ज्यादातर बच जाएंगे।

उनका यह भी कहना है कि नगर निगम ने खुद इस सड़क पर बने मकानों के नक्शे कुछ साल पहले 60 फीट चौड़ाई के हिसाब से स्वीकृत किए हैं। लोगों ने निर्माण भी उसी हिसाब से किया था। अब निगम सड़क की चौड़ाई 80 फीट बता रहा है। इसी तरह सुभाष मार्ग से कंडीलपुरा होते हुए इंदौर वायर चौराहा तक बनने वाली सड़क को लेकर भी विवाद है। रविवार दिनभर जिंसी-लक्ष्मीबाई प्रतिमा सड़क के मकानों पर हथोड़े चलते रहे। रहवासियों ने खुद ही प्रस्तावित सड़क की चौड़ाई 60 फीट मानकर अपने बाधक निर्माण हटाना शुरू कर दिए हैं। उनका कहना है कि निगम के अधिकारी और जनप्रतिनिधियों ने उन्हें आश्वासन दिया है कि सड़क की चौड़ाई 60 फीट ही रखी जाएगी।

सरवटे बस स्टैंड व जीटीएस क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पर सख्ती, आयुक्त ने निरीक्षण कर लगाई 20 हजार की पेनल्टी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सोमवार सुबह जीटीएस परिसर और सरवटे बस स्टैंड क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सफाई व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और यात्रियों को उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जीटीएस क्षेत्र में आयुक्त ने वाहनों की आवाजाही, कचरा निस्तारण और समग्र प्रबंधन की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि परिसर में नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए और व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखा जाए, ताकि आने-जाने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

इसके बाद सरवटे बस स्टैंड का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने यात्रियों के लिए उपलब्ध पेयजल सुविधाओं की गुणवत्ता की जांच कर स्वच्छ एवं सुरक्षित पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं बस स्टैंड परिसर में स्थित सुलभ शौचालय की सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर संबंधित एजेंसी पर 20 हजार रुपए की पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान लॉक रूम की सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया गया और अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि यात्रियों के सामान की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। साथ ही बस स्टैंड के मेंटेनेंस का कार्य देख रही एजेंसी को लापरवाही पर फटकार लगाते हुए कार्य में सुधार लाने के निर्देश दिए गए।

आयुक्त ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता और सुविधाओं के रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर की सफाई व्यवस्था और सार्वजनिक सुविधाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, ताकि नागरिकों और यात्रियों को बेहतर सेवाएं मिलती रहें।

इंदौर संभाग में हीट स्ट्रोक क्लीनिक शुरू, अस्पतालों में विशेष इंतजाम

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े के निर्देश पर जिलों में त्वरित कार्रवाई

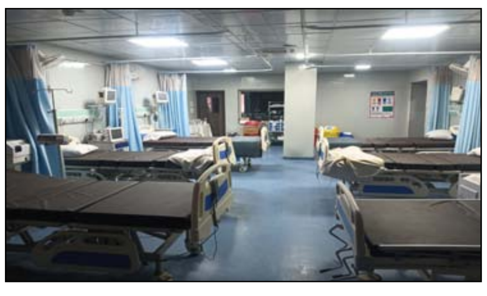

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बढ़ती गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा विगत दिवस आयोजित कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में संभाग के सभी जिला कलेक्टर्स को जिला एवं सिविल अस्पतालों में हीट स्ट्रोक क्लीनिक प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए थे। उक्त निर्देशों के परिपालन में इंदौर संभाग के विभिन्न जिलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। इंदौर संभाग के जिला अस्पतालों, सिविल अस्पतालों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में हीट स्ट्रोक एवं लू से प्रभावित मरीजों के उपचार हेतु विशेष बेड आरक्षित किए गए हैं। साथ ही आवश्यक दवाइयों, ओआरएस, कूलर, पंखे तथा अन्य चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, ताकि आमजन को गर्मी के मौसम में त्वरित एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

बुरहानपुर जिले में जिला अस्पताल सहित शाहपुर, खकनार, नेपानगर एवं लालबाग स्थित स्वास्थ्य केन्द्रों में हीट स्ट्रोक क्लीनिक प्रारंभ किए गए हैं। यहां ओआरएस कॉर्नर, कूलर, पंखे एवं विशेष बेड की व्यवस्था की गई है। साथ ही लू अथवा तापघात से प्रभावित मरीजों के लिए 108 एम्बुलेंस की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

आलीराजपुर जिले में जिला अस्पताल के प्रत्येक वार्ड में दो-दो बेड आरक्षित किए गए हैं। यहां एचआई क्लीनिक स्थापित कर एमडी चिकित्सकों द्वारा मरीजों का उपचार किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की है।

झाबुआ जिले में जिला अस्पताल के एचआरआई वार्ड में हीट स्ट्रोक से प्रभावित मरीजों के उपचार हेतु 5 बेड आरक्षित किए गए हैं।

भागीरथपुरा में जल व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश, धीमी रफ्तार पर एजेंसी को फटकार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सोमवार को भागीरथपुरा क्षेत्र का निरीक्षण कर जल प्रदाय, सीवरेज और सड़क निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नागरिकों से सीधे संवाद कर जल आपूर्ति की स्थिति जानी और मौके पर ही क्लोरिनेशन सैंपलिंग कर पानी की गुणवत्ता भी जांची।

आयुक्त ने नर्मदा जल प्रदाय लाइन, सीवरेज लाइन और रेस्टोरेशन कार्यों का स्थल पर निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य तय समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। रेस्टोरेशन कार्य की धीमी गति पर उन्होंने संबंधित एजेंसी को फटकार लगाते हुए काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा।

निरीक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि भागीरथपुरा के 97 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में पाइपलाइन के माध्यम से जल वितरण व्यवस्था बहाल कर दी गई है, जबकि शेष क्षेत्रों में कार्य प्रगति पर है और वहां टैंकर के माध्यम से जल आपूर्ति की जा रही है। आयुक्त ने क्षेत्रीय नागरिकों से बातचीत कर पूछा कि पानी समय पर मिल रहा है या नहीं, जिस पर नागरिकों ने संतोष जताते हुए नियमित जल आपूर्ति की पुष्टि की। उन्होंने नर्मदा जल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मौके पर क्लोरिनेशन सैंपलिंग कराई, जिसमें पानी की गुणवत्ता संतोषजनक पाई गई।

आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल प्रदाय व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए नियमित सैंपलिंग और क्लोरिनेशन प्रक्रिया जारी रखी जाए, ताकि नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध होता रहे।

स्वच्छ सर्वेक्षण : जागें इंदौरी, थूकने और गंदगी से कट सकते हैं 200 अंक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आठ बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब जीतने वाले इंदौर के लिए यह वक्त आत्मचिंतन का है। स्वच्छ सर्वेक्षण का दल इसी महीने शहर का मुआयना करने आ सकता है और ठीक इसी समय शहर के नए पुते डिवाइडरों पर गुटखे और तंबाकू की पीक के लाल निशान नजर आ रहे हैं।

यह तस्वीर सिर्फ दिखावट की नहीं, अंकों की भी लड़ाई है, क्योंकि इस बार सर्वेक्षण में खुले में थूकने पर सौ और खुले में पेशाब करने पर सौ, यानी कुल दो सौ अंक काटे जाने का प्रविधान है। स्वच्छ सर्वेक्षण के मानकों के अनुसार, शहरों में खुले स्थान पर मूत्र (पीले धब्बे) और खुले स्थान पर थूक (लाल धब्बे) से संबंधित मानकों पर शहरों का मूल्यांकन किया जाता है। इस बार प्रत्येक रेड स्पाट पर सौ और येलो स्पाट पर सौ अंक की कटौती का प्रविधान है। यानी सार्वजनिक स्थलों पर मिलने वाला एक-एक धब्बा शहर की रैंकिंग पर सीधा असर डालेगा।

निगम कर रहा है कार्रवाई, पर आदत नहीं बदल रही- नगर निगम सख्ती तो बरत रहा है। पिछले एक माह में निगम ने स्वच्छता नियमों के उल्लंघन पर 6696 चालान जारी कर 36,50,000 रुपये की वसूली की। इनमें सड़क पर थूकने पर 1304 चालान जारी कर 1,76,000 रुपये वसूल किए गए, जबकि खुले में पेशाब करने वाले 95 लोगों से 10,650 रुपये जुर्माना लिया गया।

बावजूद इसके थूकने और खुले में पेशाब करने की प्रवृत्ति थमने का नाम नहीं ले रही। निगमायुक्त के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा शहर में स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण को लेकर कार्रवाई लगातार जारी है, लेकिन जब तक नागरिक खुद जिम्मेदारी नहीं उठाएंगे, केवल जुर्माने से बात नहीं बनेगी।

CSR बैठक में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देश- बुनियादी ढांचा, शिक्षा व स्वास्थ्य कार्यों को दें प्राथमिकता

मिशन बैंच मार्क के तहत शेष स्कूलों में फर्नीचर, आंगनवाड़ी उन्नयन व कौशल विकास पर जोर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (ष्टस्क्र) की बैठक सोमवार को कलेक्टर कार्यालय सभा कक्ष में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा (ढ्ढस्) की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

वर्ष 2025-26 के कार्यों की समीक्षा- बैठक में समस्त ष्टस्क्र इकाईयों द्वारा वर्ष 2025-26 में ष्टस्क्र मद से किए गए कार्यों की जानकारी दी गई एवं वर्ष 2026-27 में प्रस्तावित ष्टस्क्र प्लान की समीक्षा कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा की गई।

उल्लेखनीय कार्यों की सराहना - कलेक्टर ने ष्टस्क्र मद से किए गए उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की, जिनमें प्रमुख हैं- सभी इकाईयों द्वारा मिशन बैंच मार्क अंतर्गत शासकीय स्कूलों में फर्नीचर प्रदाय किया गया है।

अल्ट्राटेक सीमेंट खोर द्वारा कौशल विकास केन्द्र की स्थापना।

सभी इकाईयों द्वारा ष्टस्क्र निधि से टीबी मरीजों के पोषण स्तर में सुधार हेतु फूड बास्केट प्रदान की गई है

ग्रीन-को द्वारा जिला चिकित्सालय नीमच को टी.बी. की जांच हेतु ट्रू-नॉट मशीन प्रदान की गई है।

कलेक्टर के प्रमुख निर्देश- समन्वय से कार्य - सभी CSR इकाईयां उपलब्ध बजट के बेहतर उपयोग हेतु संबंधित विभागों से समन्वय कर कार्य संपादन करें, ताकि कार्यों का दोहराव न हो व सार्थक उपयोग हो सके।

आगामी प्राथमिकताएं- मिशन बैंच मार्क अंतर्गत शेष आवश्यक फर्नीचर प्रदाय, सक्षम आंगनवाड़ी प्रोजेक्ट अंतर्गत आंगनवाड़ी केन्द्रों के उन्नयन हेतु सामग्री प्रदाय एवं कौशल विकास कर युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के प्रयास किए जाएं।

लोकहित पर फोकस- CSR मद से मुख्यतः बुनियादी ढांचा निर्माण कार्य जैसे सड़क निर्माण, सामुदायिक भवन, स्वास्थ्य केन्द्र, आंगनवाड़ी व स्कूल भवन निर्माण एवं दिव्यांगजनों व वंचित वर्गों को स्वरोजगार से जोड़ने के कार्यों को प्राथमिकता दें। ऐसे कार्य करें जिसमें अधिक से अधिक लोकहित जुड़ा हो।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव डिप्टी कलेक्टर श्री पराग जैन , श्रीमती योगिता भटनागर महाप्रबंधक उद्योग सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

साथ ही अल्ट्राटेक सीमेंट खोर, अडानी विल्मार भाटखेड़ा, धानुका ग्रुप नीमच, एमएस सोलवेक्स जमुनियाखुर्द, ग्रीन-को प्रा.लि., टाटा सोलर पावर प्रा.लि. सहित सभी CSR इकाईयों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मनासा में देवस्थान की 82 करोड़ की शासकीय भूमि से हटाया अतिक्रमण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मनासा में शासन संधारित देवस्थान की शासकीय भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्यवाही प्रशासन द्वारा की गई। कार्यवाही का विवरण- कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं अपर कलेक्टर के निर्देशानुसार सोमवार को मनासा क्षेत्र में स्थित मंदिर श्री बद्रीनारायण की शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) उपखण्ड मनासा सुश्री किरण आंजना एवं तहसीलदार मनासा श्री मुकेश निगम द्वारा की गई है। भूमि का मूल्य- तह.मनासा श्री मुकेश निगम ने बताया कि उक्त भूमि का कुल रकबा 0.770 हेक्टेयर है। जिसका बाजार मूल्य लगभग 82 करोड़ रुपये एवं गाइड लाइन अनुसार लगभग 22 करोड़ रुपये आंका गया है। संयुक्त दल द्वारा कार्रवाई- कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देश पर पुलिस विभाग, नगर परिषद एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई। प्रशासन ने अतिक्रमण हटाकर शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त कराया। कलेक्टर ने कहा, कि जिले में शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमणकर्ताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जावद में 'सांवरिया धाम' आवासीय कॉलोनी विकास की सशर्त अनुमति जारी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा मध्यप्रदेश नगरपालिका (कॉलोनी विकास) नियम 2001 के तहत कस्बा जावद स्थित भूमि पर आवासीय कॉलोनी 'सांवरिया धाम' को विकसित करने की सशर्त अनुमति जारी की गई है। भूमि का विवरण- यह अनुमति कस्बा जावद स्थित निम्नलिखित सर्वे नंबरो की भूमि पर दी गई है- सर्वे नं. 2083/1/2 रकबा 0.403 हेक्टेयर., सर्वे नं. 2083/4 रकबा 0.439 हेक्टेयर, सर्वे नं. 2083/2/3 रकबा 0.277 हेक्टेयर, सर्वे नं. 2083/5/6/2 रकबा 0.099 हेक्टेयर, सर्वे नं. 2101/3/1 रकबा 0.0922 हेक्टेयर कुल रकबा 1.479 हेक्टेयर में से रकबा 1.3102 हेक्टेयर. भूमि पर आवासीय कॉलोनी विकसित की जाएगी। बंधक भूखंडों की शर्त- कलेक्टर द्वारा कॉलोनी 'सांवरिया धाम' के भूखण्ड क्रं. 2, 3 तथा 9 से लगायत 18, 21 से लगायत 28, 32 से लगायत 38, 41 से लगायत 45 एवं 48 कुल 33 भूखण्ड, जिनका कुल क्षेत्रफल 4040.56 वर्ग मीटर है, नगर परिषद जावद के पास बंधक रखे गए हैं। विक्रय पर रोक- आदेशानुसार उक्त बंधक रखे गए भूखण्डों का किसी भी प्रकार से कलेक्टर की अनुमति के बिना विक्रय नहीं किया जा सकेगा। कॉलोनी विकासकर्ता को सभी शर्तों एवं म.प्र. कॉलोनी विकास नियम 2001 के प्रावधानों का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा। कलेक्टर श्री चंद्रा ने स्पष्ट किया है कि शर्तों के उल्लंघन पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा, टामोटी में मंगलवार को लगाएंगे रात्रि चौपाल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा जिले में आयोजित की जा रही रात्रि चौपाल के क्रम में मंगलवार, 05 मई 2026 को नीमच जिले के कुकडेश्वर टप्पा के अनुसूचित जनजाति बाहुल्य ग्राम टामोटी में रात्रि चौपाल आयोजित की जा रही है।

दूसरी रात्रि चौपाल- जिले में आयोजित की जा रही यह दूसरी रात्रि चौपाल है। इससे पूर्व पहली रात्रि चौपाल 23 अप्रैल 2026 को ग्राम कोज्या में आयोजित की गई थी।

टामोटी में आयोजित इस रात्रि चौपाल में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित होकर ग्रामीणों की समस्याओं से रूबरू होंगे और उनका मौके पर ही समाधान करेंगे।

रवाना होने का कार्यक्रम- कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं सभी जिला अधिकारी मंगलवार को अपरान्ह 3-30 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में एकत्रित होंगे और अपरान्ह 4 बजे एक साथ एक ही यात्री बस से टामोटी के लिए रवाना होंगे।

एसडीएम की अपील- एसडीएम मनासा सुश्री किरण आंजना ने क्षेत्र के ग्रामीणों से इस रात्रि चौपाल में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं रखने और शासन की योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया है। रात्रि चौपाल का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ अंचलों में निवासरत ग्रामीणों की समस्याओं का उनके गांव में ही निराकरण करना तथा शासकीय योजनाओं की जानकारी देना है।

किसान मुद्दों पर कांग्रेस का बड़ा ऐलान- 7 मई को शाजापुर में ऐतिहासिक चक्काजाम, नीमच से जुटेंगे कार्यकर्ता, जिलाध्यक्ष तरुण बाहेती का आव्हान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस अब सड़क पर उतरने की तैयारी में है। इसी कड़ी में आगामी 7 मई को शाजापुर में आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग (हॖ-3) पर प्रदेश स्तर का एक दिवसीय ऐतिहासिक चक्काजाम आंदोलन आयोजित किया जाएगा।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आंदोलन में नीमच जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी और किसान शामिल होंगे और सरकार की कथित किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में गेहूं खरीदी व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। स्लॉट बुकिंग में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के कारण किसान अपनी उपज बेचने के लिए भटक रहे हैं। साथ ही भावांतर राशि के भुगतान में देरी को भी उन्होंने किसानों के साथ अन्याय बताया।

बाहेती ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में यह आंदोलन किसानों के हक और सम्मान की लड़ाई है। उन्होंने बताया कि उज्जैन संभाग का यह प्रमुख प्रदर्शन शाजापुर में आयोजित होगा, जिसमें नीमच जिले से बड़ी भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

आंदोलन की तैयारियों को लेकर कांग्रेस द्वारा नियुक्त विधानसभा प्रभारियों का दौरा जारी है और स्थानीय स्तर पर बैठकों के माध्यम से रणनीति को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

जिलाध्यक्ष बाहेती ने सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों और किसान भाइयों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शाजापुर पहुंचकर इस आंदोलन को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि यह केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि किसानों के अधिकार, सम्मान और अस्तित्व की लड़ाई है।

मैरिज गार्डन व मांगलिक भवन संचालक सफाई-पार्किंग का रखें विशेष ध्यान

लापरवाही पर होगी सीलिंग की कार्रवाई – एसडीएम संजीव साहू

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच शहर में संचालित निजी मैरिज गार्डन, मांगलिक भवन व सामुदायिक भवनों के संचालकों की बैठक सोमवार 04 मई को तहसील कार्यालय स्थित मीटिंग हॉल में एसडीएम श्री संजीव साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक के मुख्य बिंदु- बैठक में विवाह समारोह व अन्य आयोजनों के बाद होने वाली गंदगी, बदबू तथा पार्किंग की समस्या पर मुख्य रूप से चर्चा हुई।

एसडीएम की सख्त हिदायत- एसडीएम श्री साहू ने सभी भवन संचालकों को पर्याप्त साफ-सफाई रखने व पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था रखने की हिदायत दी। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि निरीक्षण के दौरान यदि कहीं भी गंदगी पाई गई अथवा पार्किंग व्यवस्था के अभाव में आवागमन प्रभावित होता पाया गया तो संबंधित के विरुद्ध जुर्माना एवं मैरिज गार्डन मांगलिक भवन को सील करने जैसी सख्त कार्यवाही की जावेगी।

अन्य महत्वपूर्ण निर्देश- ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण- रात 10-00 बजे बाद ध्वनि विस्तार यंत्रों (डीजे) का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

अग्नि सुरक्षा- सभी मांगलिक भवनों में अग्निशमन यंत्र की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए।

रजिस्ट्रेशन- मांगलिक भवन का नियमानुसार रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है।

नियमों का पालन- संचालकों को शासन के सभी नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए।

उपस्थित अधिकारी- बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया सहित नीमच शहर में संचालित विभिन्न मैरिज गार्डन, मांगलिक भवन व सामुदायिक भवन के संचालक तथा स्वास्थ्य शाखा व राजस्व शाखा के कर्मचारी उपस्थित थे।

एसडीएम श्री साहू ने कहा कि शहर की स्वच्छता एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

किसानों की सुविधा सर्वोपरिः सभी गेहूं खरीदी केंद्रों पर सुबह 10 बजे से अनिवार्य खरीदी शुरू हो : कलेक्टर अदिति गर्ग

जिले में बनाए गए 10 क्लस्टरों में 1250 किसानों द्वारा प्राकृतिक खेती किए जाने का लक्ष्य निर्धारित

मंदसौर। कलेक्टर अदिति गर्ग की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन स्थित सभागृह में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने गेहूं उपार्जन कार्य की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिले के सभी खरीदी केंद्रों पर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से खरीदी अनिवार्य रूप से प्रारंभ की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्थिति में किसान को लाइन में खड़ा नहीं रहना चाहिए तथा उनकी सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे।

कलेक्टर ने किसानों के भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी न होने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी भुगतान समय पर सुनिश्चित किए जाएं और कोई भी प्रकरण लंबित न रखा जाए। इसके साथ ही स्लॉट बुकिंग व्यवस्था, गेहूं परिवहन, हम्माल, बारदान एवं तौल व्यवस्था की भी समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में उर्वरक वितरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शत-प्रतिशत उर्वरक वितरण ई-विकास प्रणाली के माध्यम से ही किया जाए तथा इसकी प्रतिदिन रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कृषि विभाग को सक्रिय रूप से कार्य करने के निर्देश दिए गए। जिले में बनाए गए 10 क्लस्टरों में 1250 किसानों द्वारा प्राकृतिक खेती किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों को निर्देशित किया कि फायर ब्रिगेड एवं फायर इंजन हमेशा चालू अवस्था में उपलब्ध रहें, ताकि आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके। संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता के प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए सभी सीएमओ एवं सीईओ को विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही बैठक में कामधेनु योजना, हिरण्यगर्भा अभियान, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, एएनसी पंजीयन, एनआरसी में कुपोषित बच्चों की भर्ती तथा टीबी मुक्त भारत अभियान की भी विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

पुज्य मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज ससघ का हुआ मंगल विहार

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। परम पूज्य समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य अर्ह योग प्रणेता मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज ससघ का सोमवार को प्रातः काल 6 बजे सिंगोली से धनगाव कि तरफ मंगल विहार हो गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार मुनिश्री ससघ का नगर में पन्चकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के लिए आगमन हुआ था महाराज जी के सानिध्य में प्रतिदिन धार्मिक आयोजन हुए जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन ने भाग लेकर पुण्य अर्जित किया मुनिश्री का नगर में एक माह से अधिक समय तक धर्म प्रभावना के बाद मंगल विहार हुआ मुनिश्री के मंगल विहार के दोरान मुनिश्री ससघ को गांजे बाजे के साथ नगर के बाहर तक बड़ी संख्या में छोटे-छोटे बच्चे महिलाएं पुरुष वर्ग आदी समाजजन पेदल विहार कर छोड़ने गये विहार के दोरान जगह जगह मुनिश्री ससघ की पाद प्रक्षालन कर मंगल आरती समाजजनों द्वारा उतारी गई मुनिश्री ससघ का धनगांव में मंगल प्रवेश कर मन्दिर में भगवान के दर्शन किए पुज्य मुनिश्री ससघ को सिंगोली समाजजनों द्वारा सिंगोली चातुर्मास हेतु श्रीफल अर्पित कर निवेदन किया मुनिश्री का मंगल विहार मेवाड़ प्रान्त की और धर्म प्रभावना के लिए चल रहा है मुनिश्री ससघ के सानिध्य में 21 जुन को योग दिवस के अवसर पर मन्दसौर में कार्यक्रम प्रस्तावित है।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा, टामोटी में मंगलवार को लगाएंगे रात्रि चौपाल

ग्रामीणों की समस्याओं का करेंगे मौके पर समाधान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा जिले में आयोजित की जा रही रात्रि चौपाल के क्रम में मंगलवार, 05 मई 2026 को नीमच जिले के कुकडेश्वर टप्पा के अनुसूचित जनजाति बाहुल्य ग्राम टामोटी में रात्रि चौपाल आयोजित की जा रही है।

दूसरी रात्रि चौपाल- जिले में आयोजित की जा रही यह दूसरी रात्रि चौपाल है। इससे पूर्व पहली रात्रि चौपाल 23 अप्रैल 2026 को ग्राम कोज्या में आयोजित की गई थी।

टामोटी में आयोजित इस रात्रि चौपाल में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित होकर ग्रामीणों की समस्याओं से रूबरू होंगे और उनका मौके पर ही समाधान करेंगे।

रवाना होने का कार्यक्रम- कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं सभी जिला अधिकारी मंगलवार को अपरान्ह 3-30 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में एकत्रित होंगे और अपरान्ह 4 बजे एक साथ एक ही यात्री बस से टामोटी के लिए रवाना होंगे।

एसडीएम की अपील- एसडीएम मनासा सुश्री किरण आंजना ने क्षेत्र के ग्रामीणों से इस रात्रि चौपाल में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं रखने और शासन की योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया है। रात्रि चौपाल का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ अंचलों में निवासरत ग्रामीणों की समस्याओं का उनके गांव में ही निराकरण करना तथा शासकीय योजनाओं की जानकारी देना है।

उपार्जन केंद्रों पर हम्माल बढ़ाएं, 6 मई तक गेहूं का परिवहन सुनिश्चित करेंः श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में उपार्जन केंद्रों के नोडल अधिकारियों और उपार्जन से जुड़े विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव व सभी एसडीएम उपस्थित थे।

केंद्रवार समीक्षा- बैठक में कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रवार खरीदी, उपार्जित गेहूं, परिवहन किए गए गेहूं व केंद्रों पर परिवहन से शेष गेहूं की मात्रा, परिवहन व्यवस्था तथा किसानों को भुगतान की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की।

कलेक्टर के प्रमुख निर्देश- तत्काल परिवहन- सभी उपार्जन केंद्रों पर परिवहन के लिए शेष उपज का तत्काल परिवहन सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए वाहनों की संख्या बढ़ाई जाए और जरूरत के हिसाब से छोटे वाहन व ट्रक का भी उपयोग किया जाए।

शत प्रतिशत परिवहन सुनिश्चित करें - सभी केंद्रों पर परिवहन से शेष गेहूं का परिवहन 06 मई 2026 के पूर्व अनिवार्य रूप से पूरा करें। सभी केंद्रों से अधिकतम 3 दिन में उपज परिवहन कर वेयर हाउस में भण्डारित कर दी जाए।

हम्मालों की संख्या बढ़ाएं- जिले के सभी उपार्जन केंद्रों पर हम्मालों की संख्या तत्काल बढ़ाई जाए। एसडीएम को निर्देश दिए कि वे मण्डी से अतिरिक्त हम्मालों की व्यवस्था खरीदी केंद्रों पर करें।

तौल कांटे की व्यवस्था- सभी उपार्जन केंद्रों पर उपज तौल के लिए कम से कम छह तौल कांटों की व्यवस्था अनिवार्य रूप से हो।

फार्मासिस्ट एवं केमिस्ट दुकानों को परखें, जिससे नशीली दवाओं के अवैध विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण लगे

नशे के विरुद्ध स्कूल-कॉलेजों में चलाएं जागरूकता अभियान - कलेक्टर अदिति गर्ग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिति गर्ग की अध्यक्षता में नारकोटिक्स एवं अन्य नशीली दवाओं की रोकथाम, जिला सड़क सुरक्षा समिति, अत्याचार निवारण अधिनियम अंतर्गत जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति तथा हिट एंड रन प्रकरणों की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बघेल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए सभी स्कूलों एवं कॉलेजों में विशेष अवेयरनेस ड्राइव चलाई जाए। शैक्षणिक संस्थानों के बाहर फ्लेक्स एवं सूचना बोर्ड लगाए जाएं, साथ ही क्यूआर कोड भी प्रदर्शित किए जाएं, ताकि कोई भी विद्यार्थी या नागरिक क्यूआर स्कैन कर सीधे शिकायत दर्ज करा सके। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि जिले के सभी फार्मासिस्ट एवं केमिस्ट दुकानों का निरीक्षण कर स्टॉक रजिस्टर की जांच करें तथा रिपोर्ट प्रस्तुत करें, जिससे नशीली दवाओं के अवैध विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में प्रधानमंत्री राहत से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने 8 लेन सड़क से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि सर्विस लेन की मरम्मत, जलभराव की समस्या का निराकरण तथा सड़क के दोनों ओर पौधारोपण सुनिश्चित किया जाए। बारिश से पूर्व सभी सड़कों के शोल्डर रिपेयर एवं गड्ढों की मरम्मत प्राथमिकता से पूर्ण की जाए, विशेषकर स्कूलों तक पहुंच मार्गों को दुरुस्त किया जाए। कलेक्टर ने एमपीआरडीसी विभाग को निर्देशित किया कि आदर्श रोड से संबंधित सभी कार्य शीघ्र पूर्ण कर उनकी पूर्णता की जानकारी प्रस्तुत करें। नगर पालिका को फूड जोन के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अतिरिक्त बैठक में हिट एंड रन के अंतर्गत घायल एवं मृतकों के प्रकरणों की समीक्षा की गई तथा अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए।

41 साल से पक्की सड़क नहीं, अब सड़क पर बेमियादी धरना दिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रिछाबच्चा की नई आबादी में 41 साल से पक्की सड़क नहीं बनने पर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा है। पक्की सड़क की मांग को लेकर ग्रामीणों ने फोरलेन हाईवे के पास धरना शुरू किया, जहां जय भीम, जय संविधान के नारे गूंजे और जनप्रतिनिधियों व प्रशासन के खिलाफ आक्रोश खुलकर सामने आया। आंदोलन को भीम आर्मी जिलाध्यक्ष इंजीनियर राकेश सूर्यवंशी का समर्थन मिला है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक सड़क निर्माण का लिखित आश्वासन और समय-सीमा तय नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा। सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार अभिषेक चौरसिया मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा कर आश्वासन दिया, लेकिन ग्रामीण अब ठोस कार्रवाई की मांग पर अड़े हैं। धरने में प्रदीप सुनार्थी, सुरेश हटीला, श्याम साबाखेड़ा, राकेश सूर्यवंशी, कैलाश, राकेश परिहार, राधेश्याम श्रीमाल, भेरूलाल घोडावल, राजाराम बामनिया, भंवरलाल श्रीमाल, परमानंद चरेण, दशरथ सिसोदिया, अशोक परिहार, बद्रीलाल राठौर, अंबालाल घोडावल, श्याम चौहान, गौतम घोडावल, सीताराम घोडावल, योगेश परिहार, राहुल गोडावाल, दिलीप बामणिया सुमित्रा बाई धमानिया, पार्वतीबाई, रामकन्याबाई, कलाबाई सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व महिलाएं शामिल रहीं। ग्रामीणों के अनुसार 1985 से बसी इस बस्ती में करीब 400 लोग रहते हैं, जिनमें 90त्र अजा, अजजा वर्ग से हैं। आरोप है कि 1.5 किमी सड़क आज तक नहीं बनी और बरसात में हालात और बदतर हो जाते हैं। फिलहाल आंदोलन जारी है और अब सबकी नजर प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी है।

डॉ. राणा नगरीय निकाय प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बने

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार, संगठन प्रभारी संजय कामले की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष निशंक जैन द्वारा डॉ. प्रीतिपाल सिंह राणा को मंदसौर जिले का नगरीय निकाय प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नियुक्त किया है। डॉ. राणा पूर्व में जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री एवं उपाध्यक्ष रह चुके हैं तथा नगर पालिका मंदसौर दो बार पार्षद रह कर नेता प्रतिपक्ष भी रह चुके हैं। इस अवसर पर राणा ने जिला अध्यक्ष महेंद्र गुर्जर, विधायक विपिन जैन सहित वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सम्पादकीय

शांति अशांति के बीच झूलती वैश्विक युद्ध की आशंका और परिणति

अमेरिका ईरान इजरायल युद्ध के बीच शांति वार्ता युद्ध के तैयारी के लिए समय समय पैदा करने की युति से ज्यादा कुछ नहींद्य अमेरिका युद्ध विराम को सिर्फ इसलिए आगे बढ़ते जा रहे हैं कि उन्हें अपनी तैयारी के लिए और समय चाहिए वैसे ईरान भी पूरी तरह से कंगाली के दौर से गुजर रहा है अब उसे युद्ध बढ़ाने के लिए समय चाहिए इन परिस्थितियों में ऐसा नहीं लगता की तीनों में से कोई देश शांति चाहता हो सब अपनी अपनी महत्वाकांक्षा और विस्तार नीति पर अड़े हुए हैंद्य परिणाम स्वरुप पूरा विश्व वैश्विक युद्ध की आशंका और उसके होने वाले परिणामों से भयभीत दिखाई दे रहा हैद्य

वैश्विक परिदृश्य एक ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई देता है, जहाँ कूटनीति की भाषा कमजोर और शक्ति-प्रदर्शन की भाषा प्रबल होती जा रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव विशेष रूप से अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच, विश्व को एक संभावित महायुद्ध यहाँ तक कि परमाणु युद्ध की आशंका की ओर धकेल रहा है। इस संपूर्ण घटनाक्रम में डोनाल्ड ट्रंप की नीतियाँ और उनके निर्णय भी चर्चा के केंद्र में हैं, जिन्हें लेकर विश्व स्तर पर विभिन्न प्रकार की प्रतिक्रियाएँ सामने आई हैं। उनके द्वारा लिए जा रहे निर्णय पर अमेरिका के नागरिक उनके संसद सदस्य और वैश्विक देश के नेताओं द्वारा भी अविश्वास प्रकट किया जा रहा है उनकी मानसिक स्थिति पर भी अब सवालिया निशान लगने लगे हैं।

ऐतिहासिक तौर पर देखा जाए तो शांति वार्ताओं का उद्देश्य सदैव संघर्ष को समाप्त कर स्थिरता स्थापित करना होता है, किंतु हालिया प्रयासों में यह उद्देश्य बिखरता हुआ प्रतीत हो रहा है। जब मध्यस्थता के लिए पाकिस्तान जैसे कमजोर,आतंकवादी और अपरिपक्व मानसिकता वाले देश को आगे किया गया, तब ही कई कूटनीतिक विश्लेषकों ने इसकी निष्पक्षता और प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया था। किसी भी शांति प्रक्रिया की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि मध्यस्थ देश निष्पक्ष, विश्वसनीय और सभी पक्षों के लिए स्वीकार्य हो। यदि मध्यस्थ ही अपने रणनीतिक हितों में उलझा हो, तो वार्ता का मार्ग स्वतः ही संदिग्ध हो जाता है।

अमेरिका और इज़रायल का दृष्टिकोण ईरान की परमाणु क्षमताओं को सीमित करने पर केंद्रित रहा है, जबकि ईरान अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के अधिकारों का सदैव पक्षकार रहा है। ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांति और ऊर्जा के उद्देश्य से है, परंतु पश्चिमी देशों को इसमें संभावित सैन्य उपयोग की आशंका दिखाई देती है। यही अविश्वास शांति वार्ता को बार-बार विफल करता रहा है।

अमेरिका द्वारा ईरान के प्रस्तावों को अस्वीकार करना इस बात का संकेत है कि दोनों पक्षों के बीच संवाद की खाई गहरी होती जा रही है। इज़रायल, जो पहले से ही ईरान को कई वर्षों से अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है, और उसके लिए यह लड़ाई अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भी है और वह किसी भी प्रकार के समझौते को लेकर अत्यंत सावधान और अतिरिक्त सतर्क है। ऐसे में जब तीनों शक्तियाँ अपने-अपने हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक अड़े हुए और अडिग हों, तो शांति का मार्ग और भी ना मुमकिन सा होता दिखाई देता है।

यदि यह तनाव आगे बढ़कर जैसा की युद्ध विश्लेषक आशंका जाता रहे हैं परमाणु संघर्ष में परिवर्तित होता है, तो इसके परिणाम न केवल अत्यंत भयानक तथा विनाशक होने की संभावना होगी बल्कि युद्ध क्षेत्र भी सीमित नहीं रहेंगे, पूरी दुनिया इसकी जद और बड़े प्रभाव में आ जाएगी। सबसे पहले असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

सहज योग को परा आध्यात्मिक युग का प्रारंभ कह सकते हैं

सहज योग परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी प्रणित एक ऐसा योग है जिसमें हमारे त्रिकोणाकार अस्थि में साढ़े तीन कुंडल में बैठी कुंडलिनी शक्ति जागृत होती है, मध्य नाड़ी के माध्यम से ऊपर की ओर उठती है और छ्- चक्रों को संतुलित करते हुये सातवें चक्र सहस्त्रार चक्र का भेदन करती है, तब साधक आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करता है। आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करना सरल है, इसे पाने की पात्रता सिर्फ यही है कि हम इसे पाने की शुद्ध इच्छा करें। आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होने की अनुभूति साधक को तत्क्षण हो जाती है, साधक यह महसूस भी करता है कि उसे ईश्वरीय साम्राज्य में प्रवेश मिल चुका है। उसके बाद यह साधक की इच्छा पर निर्भर रहता है कि वह इस योग की गहनता प्राप्त करने हेतु कितना समर्पित हो सकता है। हम जितना ध्यान करेंगे, समर्पण भाव रखेंगे, उतनी हम गहनता पायेंगे। हम स्वयं को स्वस्थ रख पायेंगे और औरों को भी चैतन्य के माध्यम से स्वस्थ रख सकेंगे। भूतकाल खत्म हो चुका है, भविष्य मौजूद नहीं है अतः हमें वर्तमान का आनंद मनाना है, जो वास्तविकता है और यही सहज योग की विशेषता है।

सहज योग से जुड़ने के बाद हम जान पाते हैं कि परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी सहस्त्रार चक्र की स्वामिनी हैं। आदिशक्ति के रुप में अपने इस अवतरण में वे सभी दिव्य गुणों को अपने अंदर समन्वित की हुई है और सदैव मुख्य स्त्रोत के रुप में क्रियाशील रहती है। श्री माताजी का जन्म 21 मार्च, 1923 को छिंदवाड़ा, भारत में हुआ था। 5 मई 1970 को श्री माताजी ने भारत के नारगोल, गुजरात के समुद्र के किनारे बैठकर सामुहिक सहस्त्रार खोला। वे सच्चे साधकों को और अधिक भटकते देखना सहन नहीं कर पा रही थी। मानव को उत्थान प्राप्त हो, वे आध्यात्मिक उत्क्रांति पायें यही श्री माताजी का उद्देश्य था। एक साल बाद 1971 में श्री माताजी ने मुट्ठी भर लोगों से आत्मसाक्षात्कार देना शुरू किया और यहीं सहज योग का जन्म हुआ।

इसीलिए हम इसे सहज योग का जन्मदिन कह सकते हैं। लोगों को आध्यात्मिक जागृति देने के लिए श्री माताजी ने पूरे संसार का भ्रमण किया। श्री माताजी का यह कार्य समस्त सहज योगियों के लिए वरदान रहा। हर सहज योगी के पुनर्जन्म का मार्ग खुल गया। सहस्त्रार चक्र के खुलते ही ईश्वरीय साम्राज्य में साधक प्रवेश पाता है। आत्मिक उत्थान के लिए आवश्यक है कि साधक का सहस्त्रार चक्र खुला रखना है, पर यह कैसे संभव है? यह प्रश्न बहुत ही सहजता से साधक के मन में आता है।

÷यह आसान है÷ इस संबंध में श्री माताजी कहती हैं, ÷आपको पूरी तरह से, पूर्ण रुप में मुझे समर्पित होना होगा। यदि आपको लगता है आपका सहस्त्रार अब तक नहीं खुला है, तब आपको क्षमा मांग लेनी है। आपको कहना है, % यदि मैंने कुछ गलत किया है तो कृपया मुझे क्षमा कर दें, तब आप ठंडी चैतन्य लहरियां महसूस करेंगे। साथ ही श्री माताजी कहते हैं, आज, वो दिन है जब मैं घोषणा करती हूँ कि मैं ही वो हूँ जिसे मानवता की रक्षा करनी है। मैं यह घोषणा करती हूँ कि मैं ही आदिशक्ति हूँ, जो हर माता की माता है, एक आदि माता है। मैं ईश्वर की इच्छा शक्ति हूँ जो इस पृथ्वी पर अवतरित हुई है, ईश्वर की कृति मनुष्य को उसके होने का अर्थ देने के लिए। और मुझे विश्वास है कि मेरे प्रेम, सबुरी और शक्ति से मैं अपने उद्देश्य में सफल होउंगी दरअसल सहस्त्रार चक्र नीचे के छ्- चक्रों का संयोजन है वह एक शून्य स्थान है, जिसके अगल बगल एक हजार नाडियां है। और जब कुंडलिनी शक्ति लिम्बिक क्षेत्र में प्रवेश करती है, तब ये नाडियां प्रकाशित हो जाती है और वो ज्वाला सी महसूस होती है, कोमल स्थिर ज्वाला, इंद्रधनुष के सात रंगों में और अंत में ज्वाला एकीकृत होती है, और स्फटिक की स्पष्ट ज्वाला सी बन जाती है। सभी सात चक्र स्फटिक की तरह स्पष्ट हो जाते हैं, जब सहस्त्रार में एकीकृत होते हैं। जब सहस्त्रार प्रकाशित होता है, तब यह स्थिर जलते रहने वाले ज्वाला का रुप ले लेता है। सुंदर गुणों से मानव जीवन को प्रकाशित करने वाले सहज योग को समझने हेतु एक कदम उठाने की आवश्यकता है, हम सुख शांति से मालामाल हो जायेंगे।

पुणे का कलंक: समाज की संवेदनहीनता का सबसे काला अध्याय

मानवता को झकझोर देने वाली यह घटना समाज की संवेदनहीनता को उजागर करती है। पुणे के भोर तहसील के नासरापुर गांव में 1 मई 2026 को घटी यह घटना केवल अपराध नहीं, बल्कि गहरी मानवीय त्रासदी है। लगभग चार वर्ष की मासूम बच्ची, जो गर्मी की छुट्टियों में नानी के घर आई थी, उसे भोजन या बछड़ा दिखाने के लालच में पशुशाला में ले जाया गया। 65 वर्षीय व्यक्ति ने बेरहमी से अत्याचार कर पत्थर से सिर कुचलकर हत्या की और शव को गोबर के ढेर में छिपा दिया। सीसीटीवी कैमरों ने सच सामने ला दिया, फिर भी प्रश्न है कि ऐसी घटनाएँ क्यों बढ़ रही हैं। क्या हमारी सुरक्षा व्यवस्था और सामाजिक चेतना इतनी कमजोर हो चुकी है कि बच्चों की रक्षा भी सुनिश्चित नहीं? यह घटना केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की गंभीर विफलता का प्रमाण है। आरोपी पर पहले भी यौन अपराध के मामले दर्ज थे, जिससे अपराधियों के बढ़ते हौसले और पुलिस-न्याय व्यवस्था की कमियों पर सवाल और गहरे होते हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के हालिया आंकड़ों के अनुसार महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। विभिन्न रिपोर्टों और उपलब्ध जानकारियों से भी स्पष्ट होता है कि अनेक क्षेत्रों में स्थिति दिन-प्रतिदिन अधिक गंभीर और असुरक्षित होती जा रही है। जो स्थान कभी सुरक्षित माने जाते थे, वे अब अपराध और असुरक्षा के नए केंद्र बनते जा रहे हैं। समस्या केवल कानूनों की मौजूदगी नहीं, बल्कि उनके कमजोर क्रियान्वयन और प्रभावी निगरानी के अभाव में छिपी है। यदि एक मासूम बच्ची अपने ही घर के आसपास सुरक्षित नहीं है, तो यह पूरे सुरक्षा तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। अपराधियों के बढ़ते हौसले का एक बड़ा कारण समाज की उदासीनता भी है, जो समय रहते चेतावनी संकेतों को नजरअंदाज कर देती है।

व्यवस्था में गहरे सुधार के बिना ऐसी घटनाओं पर रोक संभव नहीं। पुलिस व्यवस्था और न्याय प्रणाली में ठोस, प्रभावी बदलाव आवश्यक हैं। विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन हुआ है और मुख्यमंत्री ने फास्ट-ट्रैक ट्रायल व कठोर सजा की घोषणा की है, लेकिन ये कदम केवल तात्कालिक प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं रहने चाहिए। बाल यौन अपराध संरक्षण कानून के अंतर्गत लंबित मामलों की अधिक संख्या और दोषसिद्धि की कम दर व्यवस्था की कमजोरियों को स्पष्ट करती है। प्रत्येक जिले में 24 घंटे सक्रिय बाल संरक्षण इकाइयों की स्थापना अनिवार्य होनी चाहिए। गाँवों और शहरों में निगरानी कैमरों का व्यापक नेटवर्क विकसित किया जाए तथा महिला पुलिस की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित की जाए। न्याय प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

सुरक्षा की वास्तविक नींव समाज की जागरूकता और सक्रिय भागीदारी पर ही टिकी होती है। केवल कानून या प्रशासन के भरोसे सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती, जब तक समाज स्वयं सजग न हो। बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है। स्कूलों, आंगनवाड़ियों और खेल स्थलों को पूर्ण सुरक्षा क्षेत्र घोषित कर कठोर निगरानी आवश्यक है। अभिभावकों के लिए नियमित जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए ताकि वे संभावित खतरों को पहचान सकें। स्थानीय समुदायों में सतर्कता समूह बनाए जाने चाहिए जो संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत सूचना दें। बच्चों को आत्मरक्षा और सुरक्षित व्यवहार की शिक्षा देना भी अत्यंत आवश्यक है। जब तक समाज सक्रिय भागीदारी नहीं निभाएगा, तब तक केवल कानून व्यवस्था पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा।

सबसे बड़ी और गहरी चुनौती आज भी हमारी जड़ जमाई हुई मानसिकता है, जो वर्षों से बदली नहीं है। कई बार पीड़ित को ही प्रश्नों के घेरे में खड़ा कर दिया जाता है और पुरानी सोच से प्रभावित प्रतिक्रियाएँ दी जाती हैं। यह धारणा बदलनी होगी कि खतरा केवल अजनबियों से होता है, जबकि वास्तविकता यह है कि कई बार परिचित और भरोसेमंद लोग ही अपराधी बन जाते हैं। शिक्षा प्रणाली में लिंग संवेदनशीलता, सहमति का सम्मान और नैतिक मूल्यों को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। मीडिया को भी अत्यंत जिम्मेदारी से कार्य करना होगा ताकि ऐसी घटनाओं को सनसनी के रूप में प्रस्तुत न किया जाए। दोषियों के लिए कठोरतम दंड पर गंभीर सामाजिक और कानूनी मंथन आवश्यक है।

बदलते समय में सुरक्षा को मजबूत करने की कुंजी आधुनिक तकनीक के प्रभावी और व्यापक उपयोग में निहित है। एआई आधारित उन्नत निगरानी प्रणाली, बच्चों के लिए सुरक्षित पहनने योग्य उपकरण और स्थान आधारित सुरक्षा तंत्र को बड़े स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। महिला सहायता केंद्रों को अधिक सशक्त, प्रभावी और त्वरित प्रतिक्रिया देने योग्य बनाया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों तक तकनीकी सुरक्षा सुविधाओं का विस्तार भी आवश्यक है, ताकि गाँव और शहर के बीच सुरक्षा की खाई कम हो सके। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक का उपयोग केवल सुरक्षा के उद्देश्य से हो और उसका किसी भी रूप में दुरुपयोग न हो। तकनीक तभी वास्तविक रूप से सार्थक है, जब वह अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी सुरक्षा पहुँचा सके।

किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी मासूम और कमजोर जिंदगियों की सुरक्षा से होती है। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा केवल योजना नहीं, बल्कि राष्ट्र की नैतिक जिम्मेदारी है। इस घटना ने स्पष्ट किया कि दोषी अक्सर परिचित होता है और बार-बार जेल से छूटने वाले अपराधी समाज के लिए बड़ा खतरा हैं। पुणे की मासूम बच्ची यह कठोर सच याद दिलाती है कि विकास तभी सार्थक है, जब जीवन सुरक्षित हो। यदि आने वाली पीढ़ियाँ भय में जीने को मजबूर होंगी, तो विकास के दावे अधूरे रह जाएँगे। समाज, प्रशासन और परिवार—सभी को मिलकर सुरक्षित वातावरण बनाना होगा। नागरिकों की सतर्कता, कानून का कठोर पालन और न्याय व्यवस्था की सक्रियता ही समाधान दे सकती है। यह समय केवल सहानुभूति का नहीं, बल्कि ठोस और निरंतर कार्रवाई का है। अगर अब भी नहीं जागे, तो कल और कितनी मासूम चीखें दब जाएँगी?

-प्रो. आरके जैन

अब महंगाई का मौसम

अब एक आम समोसा 30 रुपए में मिलेगा। आम बाजार में, रेहड़ी-पटरी पर बिकने वाली चाय का एक कप 20-25 रुपए में मिलेगा। छोले-भटूरे की एक प्लेट के दाम 250 रुपए तक होंगे। मसाला-डोसा 210 रुपए में मिलेगा। एक औसत रेस्तरां और ढाबे पर पीली दाल की आधी प्लेट 110-120 रुपए में मिलेगी। यदि किसी बेहतर रेस्तरां, होटल में गए, तो भोजन की एक थाली 400 रुपए में मिलेगी। यह कोई नई बात नहीं है। चुनाव सम्पन्न होने के बाद सरकार और तेल कंपनियां गैस, पेट्रोल, डीजल आदि के दाम बढ़ाती ही हैं। उनकी मजबूरी भी है, क्योंकि भारत तेल-गैस के सबसे बड़े आयातक देशों में एक है। देश के पांच राज्यों में चुनाव अभी सम्पन्न ही हुए हैं, तो व्यावसायिक गैस, 5 किलो के गैस सिलेंडर, सीएनजी, पीएनजी आदि के दाम इतने बढ़ा दिए गए हैं कि कारोबारी और आम आदमी की अर्थव्यवस्था ही बिखर जाएगी। हमने कुछ उत्पाद गिनाए हैं, अलबत्ता महंगाई तो चौतरफा होगी। बहुत जल्दी पेट्रोल, डीजल और रसोई की एलपीजी गैस के दाम भी बढ़ा दिए जाएंगे। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने खुलासा किया है कि तेल कंपनियों को 20 रुपए पेट्रोल प्रति लीटर और 100 रुपए डीजल प्रति लीटर के घाटे झेलने पड़ रहे हैं। यह दाम बढ़ाने का एक तार्किक संकेत है। जब ईरान युद्ध के हालात नहीं थे और कच्चे तेल की कीमत भी 71-72 डॉलर प्रति बैरल थी, उस दौर में तेल कंपनियों ने जो मुनाफे कूटे थे, उन्हें न तो साझा किया गया और न ही देश को खुलासा किया गया। जब आपात-स्थितियां आती हैं और कच्चा तेल महंगा होने लगता है, तो केंद्र सरकार भी तेल कंपनियों की प्रवक्ता बन जाती है। यह देश को स्वीकार्य नहीं है। अब देश भर में 19 किलो का व्यावसायिक गैस का सिलेंडर 3000 रुपए से अधिक का हो गया है। प्रवासी मजदूरों, किराएदार छात्रों, दिहाड़ीदार और गरीबों की रसोई का आधार 5 किलो गैस का सिलेंडर भी 879 रुपए का कर दिया गया है।

शायद सरकार नहीं जानती अथवा जानबूझ कर अनजान बन रही है, क्योंकि 5 किलो वाले सिलेंडर पर जमकर कालाबाजारी चल रही है और यह सिलेंडर 1000 रुपए से अधिक के दाम पर बेचा जा रहा है। आम आदमी बेचारा क्या करे? गरीब-गुरबों की सरकार है, यह तो महज एक नारा है। इसी साल व्यावसायिक गैस सिलेंडर तीन बार महंगा किया जा चुका है, लिहाजा फैमिली डाइनिंग का खर्च 30 फीसदी सीधा बढ़ गया है। यही नहीं, ईरान-अफगानिस्तान से आने वाला पिस्ता 32 फीसदी और केसर 37 फीसदी महंगे हो चुके हैं। युद्ध और अन्य कारणों से इनकी उपलब्धता भी बहुत कम है, लिहाजा मिठाइयों के दाम भी 20-100 रुपए तक बढ़ गए हैं। ईरान और अमरीका ने होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर नाकेबंदी कर रखी है, नतीजतन तेल-गैस-खाद की आपूर्ति नगण्य है। भारत में खाद की कीमतें भी आसमान छूने को हैं, लिहाजा इस वित्त वर्ष में सरकार पर 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक की सबसिडी का बोझ पड़ेगा। खाद पर सरकार के सामने दो विकल्प हैं।

-सुनील कुमार महला

किराये की संतान नहीं, अपनत्व का पुनर्जागरण चाहिए

जीवन की सांझ जब अपने पूरे विस्तार के साथ उतरती है, तब मनुष्य को सबसे अधिक आवश्यकता दवाइयों या धन की नहीं, बल्कि अपनों के सान्निध्य और अपनों की होती है। यह वही समय होता है जब व्यक्ति अपने जीवन की संचित स्मृतियों, अनुभवों और भावनाओं को साझा करना चाहता है। लेकिन आज का कठोर यथार्थ यह है कि अनेक बुजुर्ग अपने ही घरों में अजनबी-से होकर रह गए हैं। विशाल मकानों में गूंजती खामोशी, सूने आंगन, और दरवाजे पर टकटकी लगाए प्रतीक्षा करती आंखें-यह सब मिलकर एक ऐसी त्रासदी रचते हैं, जो केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक विघटन का संकेत है। आज वैश्वीकरण, रोजगार की अनिवार्यता और बेहतर भविष्य की तलाश ने नई पीढ़ी को देश-विदेश के कोनों में बिखेर दिया है। यह स्वाभाविक भी है, लेकिन इस प्रक्रिया में जो सबसे बड़ी कीमत चुकाई जा रही है, वह है पारिवारिक संवेदना का क्षरण। अनेक बच्चे विदेश जाकर वहीं बस जाते हैं, अपने जीवन में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि माता-पिता केवल फोन कॉल और औपचारिक संदेशों तक सीमित रह जाते हैं। कुछ तो ऐसे भी हैं जो एक ही शहर में रहते हुए वर्षों तक माता-पिता की सुध नहीं लेते। यह केवल दूरी की समस्या नहीं, बल्कि भावनात्मक दूरी का संकट है।

इसी संवेदनहीनता के वातावरण में एक नया और विचलित करने वाला प्रचलन उभरा है-÷किराये की संतान÷। कुछ कंपनियां और संस्थान अब ऐसे युवाओं या बच्चों को उपलब्ध करा रहे हैं, जो बुजुर्गों के साथ समय बिताते हैं, उनसे बातें करते हैं, उनके साथ सैर करते हैं, खेलते हैं और उनके अकेलेपन को कुछ हद तक कम करने का प्रयास करते हैं। पहली दृष्टि में यह व्यवस्था राहत देती प्रतीत होती है, लेकिन गहराई से देखने पर यह हमारे सामाजिक ढांचे की विफलता का प्रमाण बन जाती है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है-क्या अब ममता और अपनत्व भी अनुबंधों और पैकेजों में बांटे जाएंगे? क्या संबंधों की गरमाहट अब सेवा-शुल्क के साथ उपलब्ध होगी? यह स्थिति केवल विडंबना नहीं, बल्कि एक गहरी सामाजिक चेतावनी है कि हम अपने मूल्यों से कितनी दूर चले आए हैं। किराये की संतान सुलभ कराने की परम्परा आधुनिक समाज-संरचना की एक बड़ी विडम्बना एवं त्रासदी है।

हालांकि यह भी सत्य है कि हर परिवार की परिस्थितियां समान नहीं होतीं। कई बार बच्चों के सामने ऐसी मजबूरियां होती हैं, जिनके कारण वे माता-पिता के साथ नहीं रह पाते। वहीं कुछ बुजुर्ग भी अपने स्वभाव या सोच के कारण नई पीढ़ी के साथ सामंजस्य नहीं बैठा पाते। लेकिन इन अपवादों के बावजूद, व्यापक स्तर पर जो प्रवृत्ति उभर रही है, वह आत्मकेंद्रित जीवनशैली और संवेदनाओं के ह्रास की ही परिणति है। और भी चिंताजनक तथ्य यह है कि यह सुविधा केवल उन बुजुर्गों के लिए सुलभ है, जिनके पास पर्याप्त आर्थिक संसाधन हैं। मध्यमवर्गीय या निम्नवर्गीय बुजुर्ग, जिनकी आय के स्रोत सीमित हो चुके हैं, वे इस प्रकार की सेवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते। निजी क्षेत्र से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की स्थिति और भी दयनीय हो जाती है, जहां पेंशन नगण्य होती है और चिकित्सा खर्च लगातार बढ़ते जाते हैं। ऐसे में उनका जीवन आर्थिक असुरक्षा और मानसिक अवसाद के बीच झूलता रहता है।

निश्चिततौर पर आज का समाज तीव्र गति से बाज़ारवाद और भौतिकवाद की ओर बढ़ रहा है, जहाँ संबंधों की ऊष्मा और भावनाओं की गहराई धीरे-धीरे क्षीण होती जा रही है। जीवन की प्राथमिकताएँ अब मानवीय मूल्यों से हटकर उपभोग, प्रतिस्पर्धा और आर्थिक सफलता तक सीमित हो गई हैं। परिणामस्वरूप रिश्ते भी उपयोगिता और स्वार्थ के आधार पर आँके जाने लगे हैं। परिवार, जो कभी संवेदना, सहारा और संस्कार का केंद्र हुआ करता था, अब व्यस्तताओं और महत्वाकांक्षाओं के दबाव में बिखरता नजर आ रहा है। इस बदलते परिवेश में बुजुर्ग पीढ़ी सबसे अधिक उपेक्षित हो रही है, क्योंकि वे न तो बाज़ार की दौड़ में शामिल हो सकते हैं और न ही नई पीढ़ी की भौतिक अपेक्षाओं को पूरा कर पाते हैं। उनके अनुभव, त्याग और स्नेह को अब बोझ या बाधा के रूप में देखा जाने लगा है। संयुक्त परिवारों के टूटने और एकल परिवारों के बढ़ने से उनकी सामाजिक और भावनात्मक सुरक्षा भी कमजोर हुई है। डिजिटल दुनिया ने संवाद को और अधिक सतही बना दिया है, जिससे आत्मीयता का स्थान औपचारिकता ने ले लिया है। ऐसे में बुजुर्गों का अकेलापन, असुरक्षा और उपेक्षा बढ़ती जा रही है, जो हमारे समाज के नैतिक पतन का संकेत है।

विकसित देशों में बुजुर्गों के लिए सामाजिक सुरक्षा की मजबूत व्यवस्थाएं हैं। वहां सरकारें उनकी स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन और देखभाल की जिम्मेदारी निभाती हैं। इसके विपरीत भारत में, जहां परिवार को ही सबसे बड़ी सुरक्षा माना गया था, आज वही ढांचा कमजोर पड़ता जा रहा है। सरकारें कर तो वसूलती हैं, लेकिन बुजुर्गों के लिए समुचित कल्याणकारी योजनाओं का अभाव स्पष्ट दिखाई देता है। ऐसी परिस्थितियों में समाधान केवल भावनात्मक अपील तक सीमित नहीं रह सकता। इसके लिए बहुआयामी और रचनात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सबसे पहले हमें पारिवारिक मूल्यों के पुनर्जागरण की दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे। बच्चों में बचपन से ही माता-पिता के प्रति कर्तव्यबोध, सम्मान और संवेदना का संस्कार विकसित करना होगा। शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम न होकर, जीवन मूल्यों का संवाहक बनेकृयह सुनिश्चित करना समय की मांग है।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है-वृद्धाश्रमों और अनाथालयों का एकीकरण। यह विचार केवल कल्पना नहीं, बल्कि एक अत्यंत व्यावहारिक और मानवीय समाधान हो सकता है। यदि एक ही परिसर में बुजुर्गों और अनाथ बच्चों को साथ रखा जाए, तो दोनों की समस्याओं का समाधान संभव है। बच्चों को जहां स्नेह और मार्गदर्शन मिलेगा, वहीं बुजुर्गों को अपनत्व और बच्चों के साथ का अनुभव होगा। यह संबंध कृत्रिम नहीं, बल्कि स्वाभाविक और आत्मीय होगा। सरकार को इस दिशा में नीतिगत पहल करनी चाहिए। सुविधा-संपन्न, गरिमामय और मानवीय वृद्धाश्रमों का निर्माण, जहां केवल देखभाल ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी समावेश हो, यह अत्यंत आवश्यक है। साथ ही निजी संस्थाओं को भी इस क्षेत्र में प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, लेकिन यह सुनिश्चित करते हुए कि सेवाएं केवल व्यवसाय न बन जाएं, बल्कि सेवा का भाव प्रमुख रहे। बुजुर्गों को भी इस सच्चाई को स्वीकार करना होगा कि जीवन का यह चरण आत्मनिर्भरता और आत्मबल की मांग करता है। योग, ध्यान, प्राणायाम, सत्संग और सामाजिक सहभागिता उनके जीवन को सकारात्मक दिशा दे सकते हैं। डिजिटल साक्षरता भी उन्हें अपने बच्चों और समाज से जुड़े रहने में सहायक हो सकती है।

साररूप में यह समझना होगा कि समाज केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि संवेदनाओं की समृद्धि से विकसित होता है। यदि हम अपने बुजुर्गों को सम्मान, स्नेह और सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं, तो हमारी सारी उपलब्धियां अधूरी हैं। ÷किराये की संतान÷ का प्रचलन हमें यह सोचने पर विवश करता है कि कहीं हम संबंधों को भी वस्तु तो नहीं बना रहे, भौतिकता की तराजू में तो नहीं तौल रहे हैं। यह समय है आत्ममंथन का अपने भीतर झांकने का और यह तय करने का कि हम कैसा समाज बनाना चाहते हैं। यदि हम सच में एक स्वस्थ, संवेदनशील और संतुलित समाज की कल्पना करते हैं, तो हमें अपनत्व के उस दीप को पुनः प्रज्वलित करना होगा, जिसकी रोशनी में हर बुजुर्ग अपने जीवन की सांझ को गरिमा और सुकून के साथ जी सके।

-ललित गर्ग

सरकार बनाएगी और मालिक रहेगी, निजी कंपनियां सिर्फ चलाएंगी प्रोजेक्ट्स

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2026-27 के अपने बजट भाषण में बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है कि सरकार संपत्तियों का मालिकाना हक (स्वामित्व) नहीं बेच रही है, बल्कि सिर्फ उनके इस्तेमाल के 'अधिकारों' से कमाई करेगी। यानी सरकार सार्वजनिक बुनियादी ढांचा परिसंपत्तियों के परिचालन का अधिकार निजी कंपनियों को दे रही है, लेकिन परिसंपत्तियों की बिक्री नहीं करेगी।

दरअसल, राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) 2.0 एक तरह से पिछले दरवाजे से लाई गई 'पीपीपी' (सार्वजनिक-निजी साझेदारी) ही है। इसका सीधा मतलब है कि सरकार जो बुनियादी ढांचा बनाएगी और जिसकी वह मालिक होगी, उसके परिचालन का काम निजी कंपनियां करेंगी। वहीं दूसरी तरफ, बिल्कुल नई परियोजनाओं में सीधे रास्ते से पीपीपी के तहत निजी निवेश पहले की तरह ही आता रहेगा।

इस तरह, पिछले 25 वर्षों तक नई परियोजनाओं में पीपीपी मॉडल आजमाने के बाद, अब भारत की बुनियादी ढांचा रणनीति एक ज्यादा व्यावहारिक राह पर चल रही है। इस नए रास्ते का सीधा सा नियम है कि संपत्ति सरकारी ही रहेगी सिर्फ उसे चलाने की जिम्मेदीर निजी हाथों में जाएगी। फरवरी 2026 में शुरू किए गए एनएमपी 2.0 का लक्ष्य (वित्त वर्ष 2026-30 के लिए) 16.72 लाख करोड़ रुपये रखा गया है। यह बड़ा आंकड़ा वित्त वर्ष 2021-25 के एनएमपी 1.0 के 5.95 लाख करोड़ रुपये के लक्ष्य से करीब 2.6 गुना ज्यादा है। रणनीति में आया यह बदलाव इस बात का पुख्ता सबूत है कि नीतियां बनाने वाले अब समझ चुके हैं कि निजी निवेशक किसी भी परियोजना के तीसरे चरण, यानी 'संचालन के जोखिम' में पैसा लगाना पसंद करते हैं। ऐसा तब होता है जब सरकार पहले दो शुरुआती चरण यानी विकास और निर्माण से जुड़े जोखिम खुद उठा लेती है।

सैद्धांतिक रूप से देखा जाए तो, पीपीपी मॉडल को एक बहुत ही सरल सिद्धांत पर काम करना चाहिए। वह सिद्धांत यह है कि जोखिम उसी पक्ष को सौंपे जाएं परियोजना के तीन मुख्य चरणों वाले जोखिम के दौरान उसका सबसे अच्छी तरह प्रबंधन कर सके मसलन, विकास का जोखिम (जमीन अधिग्रहण, जरूरी मंजूरियां लेना, पैसों का इंतजाम आदि), निर्माण का जोखिम (लागत का बढ़ना या काम में देरी होना), संचालन का जोखिम (मांग और कमाई की अनिश्चितता)।

भारत में पहले जब नई परियोजनाओं में पीपीपी का दौर शुरू हुआ था, तब एक बड़ी गलती यह हुई थी कि ये तीनों जोखिम गलत तरीके से पूरी तरह से निजी कंपनियों के सिर मढ़ दिए गए। इन कंपनियों ने भी भविष्य को लेकर ज्यादा ही उत्साह दिखाया और बढ़-चढ़कर बोलियां लगा दीं। लेकिन यह मॉडल आगे चलकर चरमरा गया। ट्रैफिक का गलत अनुमान, जमीन अधिग्रहण में होने वाली देरी और लागत का बढ़ना ऐसी समस्याएं बनीं जिन्होंने पूरी स्थिति बिगाड़ दी। हालत यह हो गई कि राजमार्ग की 73 पीपीपी परियोजनाओं (लगभग 8,300 किमी) में से 43 को रद्द करना पड़ा। इससे नई परियोजनाओं में पीपीपी मॉडल को लेकर निजी क्षेत्र का भरोसा टूट गया। एनएमपी 1.0 के अंतर्गत सड़कों, रेलवे, बिजली, पाइपलाइन और दूरसंचार के क्षेत्रों में लक्ष्य निर्धारित किए गए थे। टोल-ऑपरेट-ट्रांसफर (टीओटी), बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इनविट) और प्रतिभूतिकरण जैसे तरीके का उपयोग किया गया, जिससे लक्ष्य का 89 फीसदी यानी 5.3 लाख करोड़ रुपये हासिल हुआ। हालांकि, प्रदर्शन हर क्षेत्र में एक समान नहीं रहा और सड़क एवं कोयला क्षेत्रों ने नेतृत्व किया, जबकि रेलवे (30 फीसदी) और विमानन (14 फीसदी) काफी पीछे रह गए।

बाजार की प्रतिक्रिया इसकी विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 में इनविट्स और टीओटी के माध्यम से 28,307 करोड़ रुपये जुटाए हैं। खुदरा निवेशकों के लिए एनएचएआई के पहले सार्वजनिक इनविट, 'राजमार्ग इन्फ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट' (आरआईआईटी) की ऐतिहासिक शुरुआत हुई, जिसने 9,500 करोड़ रुपये जुटाए। मार्च 2026 में बीएसई पर सूचीबद्ध होने के दौरान इसे लगभग 14 गुना अधिक अभिदान मिला।

नीतिगत दिशानिर्देशों के कारण अब विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर तालमेल दिख रहा है। रेलवे ने एनएमपी 1.0 के लक्ष्यों का केवल 29 फीसदी ही पूरा किया था, लेकिन अब एनएमपी 2.0 के तहत उसे 2.62 लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य पूरा करना है। रेलवे बोर्ड द्वारा 2025 में अपनी 2012 की पीपीपी नीति को संशोधित करने का प्रस्ताव जोखिम बंटवारे को दर्शाता है जिसमें रियायत की अवधि को 50 वर्ष तक बढ़ाना और भूमि अधिग्रहण का जिम्मा खुद लेना शामिल है।

महत्त्वपूर्ण बात यह है कि एनएमपी 2.0 केवल परिचालन को पट्टे पर देने तक सीमित नहीं है। इसमें सूचीबद्ध सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू) में अल्पांश हिस्सेदारी बेचना भी शामिल है। अकेले सात रेलवे पीएसयू से 82,700 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है। विनिवेश का लक्ष्य वित्त वर्ष 2025-26 के 47,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 80,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। संपत्ति से कमाई और सार्वजनिक उपक्रमों में हिस्सेदारी की बिक्री के इस संयोजन से निवेशकों की पहुंच अब बोर्डरूम तक होगी, जिससे प्रबंधन के निर्णयों में उनकी प्रभावी भूमिका सुनिश्चित होगी। सार्वजनिक परिसंपत्तियों को कमाई का जरिया बनाए जाने के लिए प्रारूप तैयार करना एक जटिल कार्य हो सकता है। इन्हें इस तरह से तैयार किया जाना आवश्यक है कि नए निजी संचालक न केवल सख्त सेवा स्तर समझौतों (एसएलए) का पालन करें, बल्कि सुरक्षा, आधुनिकीकरण, नवीनीकरण और जनसेवा पर भी पर्याप्त ध्यान दें। साथ ही, उन्हें अपनी निवेश की गई पूंजी पर उचित लाभ भी मिलना चाहिए।

सेवा स्तर समझौतों में मापने योग्य मानक (जैसे समयबद्धता, सुरक्षा और शिकायतों के निपटारे की समयसीमा) स्पष्ट होने चाहिए। यहां संतुलन बनाना अनिवार्य है क्योंकि कम जुर्माने से नियमों के उल्लंघन को बढ़ावा मिलता है जबकि बहुत सख्त दंडात्मक नियम गंभीर बोलीदाताओं की दिलचस्पी कम कर सकते हैं। अनुबंध में 'जनसेवा' को अंकों या मात्रा में परिभाषित करना स्वाभाविक रूप से कठिन है।

इसके अलावा, आधुनिकीकरण की जिम्मेदारियां अक्सर कम रियायती अवधि के साथ मेल नहीं खातीं। वहीं, सामाजिक रूप से आवश्यक लेकिन घाटे वाले मार्गों को अनिवार्य बनाना परियोजना की आर्थिक व्यवहार्यता को तब तक कमजोर करता है, जब तक कि अनुबंध में संरचित सब्सिडी या व्यवहार्यता अंतर फंडिंग का प्रावधान न हो। व्यावहारिक तौर पर देखा जाए तो एक ऐसा मुद्रीकरण प्रारूप तैयार करना एक जटिल राजनीतिक, संस्थागत और आर्थिक चुनौती है जो इन सभी पहलुओं को आपस में जोड़ सके। इन सभी बारीकियों को सही ढंग से समझना और लागू करना ही असली चुनौती है। इसका उद्देश्य मूल स्वामित्व को बेचे बिना, भारत की बुनियादी ढांचा सेवाओं की आपूर्ति में निजी पूंजी की भागीदारी के लिए एक वैकल्पिक रास्ता तैयार करना है। स्पष्ट है कि सार्वजनिक परिसंपत्तियों को कमाई का जरिया बनाना ही अब सार्वजनिक-निजी भागीदारी का नया और आधुनिक स्वरूप है।

-धनंजय राजौरा

बंगाल में भाजपा की बड़ी जीत, देवास सांसद कार्यालय बना जश्न का केंद्र'

झालमुड़ी, जयघोष और आतिशबाजी के बीच कार्यकर्ताओं ने मनाई जीत की खुशी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत के बाद देवास में भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। परिणाम घोषित होते ही सिविल लाइन रोड स्थित सांसद कार्यालय पर कार्यकर्ताओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा, जहां सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी के नेतृत्व में जोरदार जश्न मनाया गया। ढोल-नगाड़ों की गूंज, आतिशबाजी की चमक और मिठाइयों की मिठास के बीच पूरे परिसर में जीत का उल्लास छा गया।

भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से सांसद कार्यालय गूंज उठा। कार्यकर्ताओं ने ढोल की थाप पर जमकर नृत्य किया और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। जश्न के बीच सांसद सोलंकी ने कार्यकर्ताओं के साथ पारंपरिक बंगाली व्यंजन झालमुड़ी का आनंद लेकर खुशी को और खास बना दिया।

इस अवसर पर सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता लंबे समय से बदलाव की प्रतीक्षा कर रही थी। यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और भाजपा संगठन की मजबूत कार्यशैली पर जनता के अटूट विश्वास की मुहर है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत, समर्पण और संगठन की मजबूती ने यह ऐतिहासिक सफलता दिलाई है।

उन्होंने पश्चिम बंगाल की पूर्व सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश की जनता वर्षों से भय, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति से मुक्ति चाहती थी, और अब लोकतंत्र ने बदलाव का स्पष्ट संदेश दे दिया है।

इस अवसर पर कमल शर्मा, दिलीप जाधव (बाबासाहब), जगदीश सेन, शंभु अग्रवाल, पंकज वर्मा, प्रवीण वर्मा, लालसिंह पवार, राकेश सिंघल, मनीष जैन, शुभम जाधव, अनुज शर्मा, संतोष वर्मा, जयेश पड़ियार, संतोष भावसार, प्रकाश पवार, बंटी मंगरोलिया, जयंत सिसोदिया, सुभाष मंडलोई, ईश्वर परासिया, सुरेंद्र सिंह गंभीर, शिवाजी चौहान, नीरज चौहान, गौरव सेन सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने इस जीत को राष्ट्रवाद, संगठन शक्ति और जनविश्वास की ऐतिहासिक विजय बताया। उक्त जानकारी देवास-शाजापुर लोकसभा मीडिया प्रभारी शेखर कौशल द्वारा दी गई।

जनगणना एवं जल गंगा संवर्धन अभियान में अपेक्षित गति नहीं होने पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी, तेजी लाने के दिए निर्देश

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने विभिन्न शासकीय योजनाओं और अभियानों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान, जनगणना, वन मित्र पोर्टल पर वनाधिकार दावों के पंजीयन, कॉलेजों में प्रवेश तथा समग्र ई-केवाईसी जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर कलेक्टर ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इन अभियानों में लापरवाही बिल्कुल भी स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें। कलेक्टर ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कार्यों में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी विभागों को समय-सीमा में लक्ष्य पूर्ण करने और जमीनी स्तर पर परिणाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिले में संचालित विभिन्न शासकीय कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने जनगणना कार्य में अपेक्षित गति नहीं होने पर नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें और निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

बैठक में कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की। इस दौरान अभियान की धीमी गति पर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक गतिविधियां आयोजित की जाएं। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है, इसलिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनभागीदारी बढ़ाएं।

बूंदों ने उतारी धूप की गर्मी, अब बारिश से राहत के आसार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी झेल रहे नगरवासियों के लिए सोमवार का दिन राहत लेकर आया। इस दिन ज्यादा बारिश तो नहीं हुई, लेकिन कुछ देर की बूंदाबांदी के बाद मौसम सुहावना हो गया, जिससे नगरवासियों को गर्मी से राहत मिली। वहीं मौसम विभाग द्वारा सोमवार देर रात को व मंगलवार दोपहर बाद कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है।

जबकि करीब 15 दिनों से नगर का तापमान 40 डिग्री से अधिक बना हुआ था। कुछ दिन पहले नगर का अधिकतम तापमान 44 डिग्री भी पहुंच चुका था जिससे लोगों का बुरा हाल होने लगा था। रविवार तक भी मौसम के यही हाल थे और तापमान 40 से 41 डिग्री के बीच बना हुआ था। सोमवार को भी नगर का अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री दर्ज किया गया। जिसके कारण सुबह से दोपहर तक लोगों का गर्मी से बुरा हाल होता रहा। लेकिन शाम करीब 4 बजे नगर में बूंदाबांदी होने लगी जो 5 से 7 मीनिट तक रही। इसके बाद बारिश तो थम गई, लेकिन आसमान पर बादल छा गए, जिससे मौसम सुहावना हो गया। समाचार लिखे जाने तक आसमान पर बादल छाए हुए थे। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम परिवर्तन संभावित है। संभावना है कि सोमवार को रात में और मंगलवार दोपहर कहीं-कहीं तेज आंधी के साथ गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है।

साईबर ठगी के मामलों में पुलिस को मिली सफलता

फ्राड के शिकार आवेदकों को पुलिस की तत्परता से मिली अपनी राशि

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ठगी और गलत खातों में गई राशि के मामलों में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आधा दर्जन लोगों को राहत दिलाई है, जिनकी राशि पुलिस की तत्परता से उनके खातों में पहुंच गई है। पुलिस द्वारा 1 लाख 72 हजार से अधिक की राशि संबंधितों के खातों में पहुंचाई है।

साइबर सेल व पुलिस को विभिन्न आवेदकों द्वारा अनजाने में अथवा फ्राड के चलते राशि गलत खातों में जमा हो गई थी, जिसके संबंध में आवेदकों द्वारा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित खातों को तत्काल होल्ड कराया गया, जिसके परिणामस्वरूप अनावेदकों (खाता धारकों) द्वारा आवेदकों की राशि वापस की गई। साथ ही न्यायालय के आदेश के पालन में भी संबंधित प्रकरणों में राशि वापस कराई गई। पुलिस की तत्परता से श्रेष्ठ रोशन को 48 हजार, बलराम पाटीदार को 12 हजार 400, प्रांजल को 42 हजार 580, दीपिका को 10 हजार रू. की राशि वापस दिलवाई गई। इसी प्रकार अन्य मामलों में अंकित सौराष्ट्रीय के 50 हजार, मृत्युंजय परमार के 10 हजार रू. भी वापस दिलवाए गए। इस प्रकार पुलिस द्वारा कुल 1 लाख 72 हजार 980 रू. की राशि पीड़ितों को दिलवाई गई।

ठगी होने पर तुरंत संपर्क करें

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार के साइबर फ्राड होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें, जिससे समय रहते कार्रवाई कर राशि सुरक्षित कराई जा सके। पहले तो सावधानी बरती जाए और अंजान लिंक पर क्लीक न करें और न ही जल्दबाजी करें। फिर भी यदि घटना हो जाती है तो तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

जिले में खरीफ सीजन के लिए नई खाद वितरण व्यवस्था लागू, ई-टोकन से मिलेगा पर्याप्त उर्वरक

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास उप संचालक कृषि श्री गोपेश पाठक ने बताया कि जिले में खरीफ सीजन की तैयारियों के बीच खाद वितरण को लेकर पारदर्शी व्यवस्था लागू कर दी है। मध्य प्रदेश सरकार की ई-विकास प्रणाली' के तहत अब देवास जिले में खाद का वितरण पूरी तरह डिजिटल ई-टोकन के माध्यम से किया जा रहा है। किसान भाई किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए जल्द से जल्द एग्रीस्टेक पर अपना पंजीयन कराएं। उन्होंने बताया कि ई-टोकन में वितरण केंद्र और निर्धारित समय अंकित रहता है, जिससे किसानों को लंबी कतारों में नहीं लगना पड़ेगा। किसान भाई समय पर पहुंचकर उर्वरक प्राप्त कर सकते है।

नई व्यवस्था और नियम- किसानों को खाद प्राप्त करने के लिए एग्रीस्टैक और ई-विकास पोर्टल पर आधारित ई-टोकन लेना होगा। इसमें किसान का नाम, जमीन का ब्यौरा और खाद की मात्रा पहले से दर्ज होगी। शासन के निर्देशानुसार, पहले चरण में यूरिया की 50 प्रतिशत मात्रा के साथ अन्य खाद की 100 प्रतिशत मात्रा का उठाव सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही 15 जून 2026 से यूरिया की 100 प्रतिशत मात्रा किसानों को वितरण की जाएगी। जिले में यूरिया 8446 मीट्रिक टन, डीएपी 2168, पोटाश 390, एनपीके 10833 एवं सिंगल सुपर फास्फेट 7930 मीट्रिक टन उपलब्ध है।

पंजीयन प्रक्रिया- किसान अपने आधार नंबर और मोबाइल ओटीपी के जरिए पोर्टल पर आसानी से पंजीकरण कर सकते हैं। पोर्टल पर किसान के खसरा नंबर और बोई गई फसल की जानकारी स्वतः उपलब्ध रहती है। जिले में समितियों पर खाद का पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित किया गया है।

ई-टोकन के माध्यम से किसान निम्नलिखित कॉम्बीनेशन में खाद बुक कर सकते हैं-

यूरिया की 2 बोरी के साथ डीएपी की 3 बोरी।

यूरिया की 2 बोरी के साथ एनपीके की 5 बोरी।

यूरिया की 3 बोरी के साथ एसएसपी की 7 बोरी और एमओपी की 1 बोरी।

असम और पश्चिम बंगाल में खिला कमल, यहां फूटे पटाखे

भाजपा कार्यालय में आतिशबाजी व ढोल-ढमाकों से मनाया जीत का जश्न

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी ने असम और पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत दर्ज की। पश्चिम बंगाल में तो पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है। इस जीत को लेकर भाजपाइयों ने जमकर आतिशबाजी की व ढोल-ढमाकों पर नाचते-झूमते हुए जीत का जश्न मनाया।

सोमवार शाम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनाव परिणामों का जश्न मनाया। भाजपा कार्यालय पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्रित हुए, जहां ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाच-गाना हुआ और उत्सव का माहौल बन गया। इस दौरान भाजपा नगर

अध्यक्ष आशीष नागर और जिला उपाध्यक्ष शीतल भावसार ने कश्मीरी ढोल बजाकर कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। कार्यकर्ताओं ने चार मई, ममता गई जैसे नारे भी लगाए, जिससे उनका जोश साफ दिखाई दिया। जश्न के बाद कार्यकर्ताओं ने पैदल यात्रा निकाली और ट्रैफिक पाइंट तथा बस स्टैंड तक पहुंचकर आतिशबाजी की। उन्होंने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने झालमुड़ी भी बांटी, जिसे राहगीरों और दुकानदारों को खिलाकर खुशी साझा की गई।

पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार- भाजपा विधायक अरुण भीमावद ने इस अवसर पर कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह एक महत्वपूर्ण क्षण है जब पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी को बहुमत मिला है। उन्होंने इस जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति को श्रेय दिया। भीमावद ने आगे कहा कि असम में लगातार दूसरी बार सरकार बनना इस बात का प्रमाण है कि भाजपा विकास के रास्ते पर मजबूती से आगे बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने विरासत के साथ विकास के सिद्धांत को जन-जन तक पहुंचाया है, जिसे देश की जनता ने स्वीकार किया है। उन्होंने जोर दिया कि आज देश की जनता विरासत और विकास दोनों के महत्व को समझ चुकी है और इसी सोच के साथ मतदाताओं ने भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाई है।

कलेक्टर ने कार्य में लापरवाही और पदीय कर्तव्यों के उल्लंघन को लेकर की कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने सौंपे गये दायित्वों में लापरवाही बरतने, कर्तव्य के निर्वहन में गंभीर लापरवाही एवं उदासीनता तथा अनियमितता पर उपयंत्री नगर पालिक निगम देवास जितेंद्र सिसोदिया एवं सहायक यंत्री नगर पालिक निगम देवास सौरभ त्रिपाठी की आगामी दो वार्षिक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी है। कार्यवाही आयुक्त नगर पालिक निगम देवास के प्रतिवेदन के आधार पर की गई है। उक्त कार्रवाई से श्री सिंह ने स्पष्ट किया है कि शासकीय कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता या अनुशासनहीनता स्वीकार नहीं होगी। सभी अधिकारी व कर्मचारी अपने कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता के साथ पालन करें।

ट्रक की टक्कर से शादी में शामिल होने जा रहे दो बुजुर्गों की मौत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शादी में शामिल होने जा रहे दो बुजुर्ग हादसे का शिकार हो गए, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। मामला उकावता चौकी क्षेत्र अंतर्गत का है। सड़क हादसे ने खुशियों भरे माहौल को पलभर में मातम में बदल दिया।

अस्पताल पुलिस चौकी पर पदस्थ प्रधान आरक्षक पदम सिंह के अनुसार दोनों मृतक सुसनेर क्षेत्र के निवासी थे। एक बारात में शामिल होने शाजापुर आ रहे थे। मृतकों की पहचान गंगाराम (50) पिता नंदाजी निवासी श्यामपुरा सुसनेर और रतनलाल (50) पिता नाथूजी निवासी सुसनेर के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, दोनों बेहद खुश थे और सुसनेर से बारात में शामिल होने के लिए के उत्साहित थे। बताया गया कि एक दिन पहले ही रतनलाल शादी में जमकर नाचे थे और अगली रस्मों की तैयारी कर रहे थे। वहीं गंगाराम दूल्हे को हल्दी भी लगा रहे थे। बारात के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया, जिसने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया। बारात में शामिल परिजनों को जैसे ही घटना की सूचना मिली, खुशियों का माहौल तुरंत गम में बदल गया।

वाहन छोड़ फरार हो गया ट्रक चालक- हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चौकी पर खड़ा करवा लिया है और नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है। दोनों बुजुर्गों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया, जहां डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

करंट लगने से युवक की मौत, खेत पर काम करते समय हुआ हादसा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम बापचा में एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। युवक खेत पर काम कर रहा था। तभी वह करंट की चपेट में आ गया। परिजन उसे जिला अस्पताल लाए, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। नगर के लालघाटी थाना क्षेत्र के ग्राम बापचा में खेत पर काम करते समय एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। यह घटना सोमवार सुबह करीब 11 से 12 बजे के बीच हुई। परिजन युवक को निजी वाहन से शाजापुर जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 30 वर्षीय राकेश पिता दरियाव सिंह के रूप में हुई है। बताया जाता है कि राकेश अपने खेत में काम कर रहे थे, तभी अचानक बिजली के करंट की चपेट में आ गए। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। उन्होंने तत्काल राकेश को अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय राजगढ़ में प्रथम चरण की ऑनलाइन कॉउन्सिलिंग प्रक्रिया हेतु पंजीयन प्रारंभ

राजगढ़/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय राजगढ़ में तकनीकी शिक्षा विभाग म.प्र. भोपाल द्वारा संचालित इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रम की सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग ब्रांच में अहर्कारी परीक्षा 10वीं के आधार पर प्रवेश के लिए प्रथम चरण की ऑनलाइन कॉउन्सिलिंग प्रक्रिया हेतु पंजीयन 04 मई से प्रारंभ हो गई है, जोकि 29 मई, 2026 रात्रि 11:45 बजे तक रहेगी। संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक 15 मई, 2026 से 02 जून, 2026 तक किया जा सकता है। आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता आवंटित संस्था में उपस्थिति (आंवटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश 8 जून से 13 जून, 2026 तक किया जा सकता है।

प्राचार्य शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय द्वारा बताया गया कि प्रवेश उपरांत छात्र/छात्राये निम्नानुसार छात्रवृत्ति का लाभ पात्रता अनुसार प्राप्त कर सकेंगे। जिनमें दिव्यांग छात्र छात्राओं को एआईसीटीई सक्षम स्कॉलरशिप स्कीम अंतर्गत प्रतिवर्ष 50 हजार रुपये की राशि पात्रता अनुसार प्राप्त होगी।छात्राओं को एआईसीटीई प्रगति स्कॉलरशिप स्कीम अंतर्गत 50 हजार रुपये की राशि पात्रता अनुसार प्राप्त होगी। पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप एवं मुख्यमंत्री जन कल्याण योजना एवं अन्य सहित कोविड -19 की वजह से माता या पिता दोनों की दिवंगत होने पर आई और सेंट्रल पैरामिलिट्री फोर्सेस में शहीद हुए जवानों के बच्चों को एआईसीटीईस्वनाथ स्कॉलरशिप स्कीम के तहत 50 हजार रूपए की राशि पात्रता अनुसार प्राप्त होगी।

कलेक्टर श्री बालागुरु के. की अध्यक्षता में टेक्सटाइल उद्योग पर जिला स्तरीय परामर्श बैठक आयोजित

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड द्वारा जिला स्तर पर टेक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उद्योग प्रतिनिधियों के साथ परामर्श बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक कलेक्टर श्री बालागुरु के. की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें उद्योग से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मध्यप्रदेश के वस्त्र निर्यात परिदृश्य एवं राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला गया। कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने निर्देश दिए कि जिले में टेक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सभी संबंधित विभाग और उद्योग आपसी समन्वय से कार्य करें और निर्यात बढ़ाने के लिए ठोस सुझाव देने के लिए कहा। उन्होंने बाजार पहुंच बढ़ाने एवं मुक्त व्यापार समझौतों के अधिकतम उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि स्थानीय उद्योगों को वैश्विक बाजार से जोड़ने के लिए कार्यशाला आयोजित कर विशेषज्ञों को बुलाया जाए। ताकि निर्यातकों को ऋण सुविधा एवं वित्तीय सहायता सरलता से उपलब्ध कराने की समुचित जानकारी दी जा सके। कलेक्टर ने निर्यात, लॉजिस्टिक्स, अधोसंरचना एवं पोर्ट कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने पर सुझाव देने को कहा।

लापरवाही पर सख्ती अंत्येष्टि राशि में देरी पर सचिव निलंबित ई-केवाईसी में ढिलाई पर वेतन रोकने के निर्देश

राजगढ़/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को समय सीमा बैठक आयोजित की गई। आयोजित बैठक में उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक में लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि हितग्राहियों को समय पर सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में ई-केवाईसी कार्यों की समीक्षा के दौरान प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर नगर परिषद खिलचीपुर, माचलपुर, तलेन एवं जीरापुर को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही ई-केवाईसी में अपेक्षित प्रगति नहीं करने वाले संबंधित अधिकारियों की वेतन रोकने के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने आधार निर्माण एवं ई-केवाईसी कार्य में तेजी लाने के लिए विशेष शिविर आयोजित कर प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए। सार्थक अटेंडेंस की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि अटेंडेंस कहां से दर्ज हो रही है, इसकी विस्तृत जांच की जाए। साथ ही सार्थक ऐप में कमजोर प्रदर्शन पर जिला योजना

अधिकारी एवं आबकारी विभाग को नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए। बैठक में पीओ डूडा को भी नियमित रूप से अटेंडेंस दर्ज करने तथा आवश्यकता पड़ने पर भोपाल स्तर से जानकारी प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। सार्थक अटेंडेंस में खराब प्रदर्शन पर बीएमओ नरसिंहगढ़ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। वहीं बीएमओ ब्यावरा के प्रति भी असंतोष व्यक्त किया गया, जहां बड़ी संख्या में कर्मचारियों के अवकाश पर रहने पर नाराजगी जताई गई।

साथ ही कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने ई-ऑफिस में लंबित फाइलों पर संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करने तथा प्रत्येक लंबित प्रकरण का कारण स्पष्ट करने के निर्देश दिए। जिला पेंशन अधिकारी से लंबित पेंशन प्रकरणों की भी गहन समीक्षा की गई। उन्होंने पेंशन संबंधी प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश दिए। सड़क दुर्घटना के मामलों की भी समीक्षा की गई तथा संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं की 4 एएनसी की रिपोर्ट तहसील स्तर पर नियमित रूप से संधारित एवं मॉनिटर की जाए, ताकि मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार सुनिश्चित हो सके। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में नियमित मॉनिटरिंग बनाए रखें, जिससे आमजन को समयबद्ध लाभ मिल सके।

साथ ही कलेक्टर डॉ. मिश्रा द्वारा संबल योजना में बेहतर कार्य करने पर सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद की सराहना भी की। अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही न बरतने और हितग्राहियों को समय पर लाभ पहुंचाने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही आयोजित समय सीमा बैठक में अंत्येष्टि सहायता राशि समय पर नहीं देने के मामले में सख्ती दिखाते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले द्वारा ग्राम टिकरिया विकासखण्ड नरसिंहगढ़ के सचिव को निलंबित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी संवेदनशील योजनाओं में देरी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले, अपर कलेक्टर श्री प्रताप सिंह चौहान, अनुविभागीय (राजस्व) अधिकारी श्रीमती निधि भारद्वाज, डिप्टी कलेक्टर डॉ. ज्योति राजोरे सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बिजली समस्याओं के समाधान हेतु विधायक शेखावत की मौजूदगी में बड़ी बैठक आज

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को सुचारू बनाने और उपभोक्ताओं की समस्याओं के स्थाई निराकरण के लिए आज, मंगलवार को दोपहर 1 बजे, जनपद पंचायत परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया जा रहा है। यह बैठक क्षेत्रीय विधायक भंवरसिंह शेखावत के मार्गदर्शन में आयोजित की जाएगी।

विद्युत मंडल के विधायक प्रतिनिधि देवपाल सिंह जादव ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य बिजली विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और आम उपभोक्ताओं को एक मंच पर लाना है। अक्सर उपभोक्ताओं को अपनी समस्याओं के लिए कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते हैं, लेकिन इस बैठक के माध्यम से मौके पर ही समस्याओं को सुनकर उनके समाधान की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। बैठक में क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को सुधारने के लिए एक ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

बैठक में यह हो सकते है मुख्य बिंदु - ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में घोषित कटौती को कम कर निर्बाध बिजली सप्लाई सुनिश्चित करना। क्षेत्र में बढ़ती ट्रांसफार्मर से ऑयल चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए रणनीति बनाना। जहाँ जरूरत है वहाँ नवीन ट्रांसफार्मर लगवाना और जर्जर हो चुके बिजली के तारों को बदलवाना। तकनीकी शिकायतों का निराकरण- उपभोक्ताओं के लंबित आवेदनों और तकनीकी दिक्कतों का त्वरित समाधान।

विधायक प्रतिनिधि ने क्षेत्र के अधिक से अधिक उपभोक्ताओं और किसानों से अपील की है कि वे मंगलवार दोपहर 1 बजे जनपद पंचायत परिसर पहुँचें। उपभोक्ता अपनी बिजली संबंधी समस्याओं या सुझावों को सीधे जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के सामने रख सकते हैं ताकि उनका समय पर समाधान हो सके।

हमारा लक्ष्य है कि किसान और आम उपभोक्ता को बिजली के लिए परेशान न होना पड़े। विधायक जी की उपस्थिति में विभाग की जवाबदेही तय की जाएगी।

-देवपाल सिंह जादव,
विधायक प्रतिनिधि

रोजड़ा वा अल्टो की भिड़ंत चालाक घायल गोलाना हॉस्पिटल से शाजापुर रेफर

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सलसलाई थाना क्षेत्र के ग्राम गोदना गांव स्थित सारंगपुर शुजालपुर मार्ग पर सुबह 9 बजे मदाना गांव की ओर से अल्टो गाड़ी सारगपुर की तरफ जा रही थी गोदना के पास रोड क्रॉस कर रहे हैं एक रोजाना नील गाय वा अल्टो गाड़ी की आपस में भिड़ंत हो गई जिसके चलते अल्टो गाड़ी के चालक उपेंद्र सिंह राजपूत पिता रमेश राजपूत निवासी मदाना ने गाड़ी को कंट्रोल करने का काफी प्रयास किया लेकिन गाड़ी रोड से नीचे उतरकर पेड़ में घुशी जिसके चलते अल्टो में सवार उपेंद्र सिंह राजपूत मौके पर बेहोश हो गए उनके मुंह में चोट भी लगी थी ग्रामीणों की मदद से अल्टो चालक को 108 की मदद से गोलाना पहुंचाया गया ट्रीटमेंट के दौरान गुलाना से शाजापुर रेफर कर दिया इस रोड पर आए दिन हिरण नीलगाय रोजड़ा के चलते आए दिन एक्सीडेंट की घटना घटित होती है जबकि वन विभाग चाहे तो इन्हें अपने कब्जे में ले सकते हैं लेकिन शासन की लाख कोशिशें के बावजूद भी बिगाडेल अधिकारी का इस ओर कोई ध्यान नहीं है जबकि सारंगपुर से सुजालपुर मार्ग पर कहीं बार घटनाएं घटित हो चुकी सुबह 9 बजे हुए इस रोजड़ा नीलगाय वा अल्टो गाड़ी टक्कर में अल्टो पूरी तरह से तहस-नहस हो चुकी है चालाक मौके पर ही बेहोश हो गया था ग्रामीण जनों की मदद से अस्पताल ले जाया गया यहां गोलाना में उनका ट्रीटमेंट कर शाजापुर के लिए रेफर किया गया था जो प्राइवेट गोयल हॉस्पिटल में उनका उपचार चल रहा है परिजन ने बताया कि अभी वह स्वस्थ है।

दक्ष नर्वे का जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए चयन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षा के क्षेत्र में स्थानीय विद्यालयों का दबदबा बरकरार है। इसी कड़ी में नगर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान श्री राज राजेंद्र सूरी शताब्दी जैन पब्लिक हायर सेकेंडरी (सीबीएसई पैटर्न) विद्यालय के छात्र दक्ष नर्वे ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल की है। छात्र दक्ष नर्वे, पिता रूपचंद जी नर्वे, का चयन कक्षा 6 के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय में हुआ है। इस कठिन प्रवेश परीक्षा में सफल होकर दक्ष ने न केवल अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है, बल्कि विद्यालय का गौरव भी बढ़ाया है। दक्ष की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने छात्र को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उल्लेखनीय है कि जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश पाना हर छात्र का सपना होता है, जहाँ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ सर्वांगीण विकास के अवसर मिलते हैं। दक्ष की इस सफलता पर इष्ट मित्रों और शुभचिंतकों ने भी हर्ष व्यक्त किया है।

भाजपा की जीत पर कार्यकर्ताओ ने मनाया जश्न

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम बंगाल समेत असम व पांडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने पर यहां भाजपा कार्यकर्ताओ ने जीत का जश्न मनाकर एक दूसरे को बधाई दी।

यहां लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल बस स्टैंड पर कार्यकर्ताओ ने आतिशबाजी के साथ ढोल ढमाके के साथ मिठाई बांटकर जीत की खुशी मनाई। इस मौके पर तीनों राज्यो में पार्टी की ऐतिहासिक जीत मिलने पर जमकर नारेबाजी भी की गई।

इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद परमार ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार पश्चिम बंगाल में कमल खिलना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व व कार्यकर्ताओ की मेहनत का परिणाम है।

नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर ने कहा कि तीनों राज्यो में मिली बड़ी जीत भाजपा के प्रति आमजनता के विश्वास का परिणाम है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षो से जारी 'जंगलराज' खत्म हो गया। बंगाल की जनता परिवर्तन चाहती थी। असम और पुडुचेरी में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला। पश्चिम बंगाल में कमल खिलकर एक नया इतिहास रचा है।

इस दौरान भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश महामंत्री नरेंद्र राठौड़, नप अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष मोहनसिंह चौहान व जितेंद्र जाट, नप उपाध्यक्ष राजेंद्रसिंह पंवार, सहमीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी कवि, नजमु बोहरा, प्रजेंद्र भट्ट, मंडल महामंत्री सन्तोष राव व गौरव होती, पूर्व मण्डल अध्यक्ष प्रितेशसिह पंवार, अक्षय शर्मा, जितेंद्र मोदी, मीतेश शर्मा, पंकज ठाकुर, पंकज जायसवाल, परमानंद पाटीदार, मीतेश शर्मा, सन्तोष चौहान, हरीश माहेश्वरी, भुरू गादिया, विजय गोयल, विवेक पाटीदार, अंशुमन जोशी, राहुल जैन, सुनील परमार, अमित गांधी, सुखराम देवदा, बाबूलाल पाटीदार, कपिल नाहर, दीपक परमार,लोकेंद्र सिंह सोलंकी, धर्मेंद्र गांधी, प्रदीप सेन, समेत बड़ी संख्या में पार्टी नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे। यह जानकारी भाजपा के जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी व नगर मंडल मीडिया प्रभारी दिलीपसिंह चौहान ने दी।

अचानक बदला मौसम, गांवों में ओले गिरे, शहर में तेज हवा के साथ झमाझम बारिश

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र में सोमवार शाम अचानक मौसम ने करवट बदल ली, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। नगरीय क्षेत्र में तेज हवा के साथ बारिश हुई। जिसके कारण बाजारों और सड़कों पर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज आंधी से कई जगहों पर अस्थायी व्यवस्थाएं भी प्रभावित हुईं। वहीं ग्रामीण अंचलों में मौसम का असर और अधिक गंभीर रहा जहां तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि दर्ज की गई। गणेशपुरा, श्यामपुरा, बोरखेड़ी कावल सहित कई गांवों में ओले गिरने की खबरें सामने आई हैं। इस समय क्षेत्र में शादियों का सीजन भी चल रहा है। ऐसे में अचानक बदले मौसम ने समारोहों की तैयारियों पर भी असर डाला है। कई जगह टेंट, सजावट और अन्य व्यवस्थाएं आंधी और बारिश के कारण अस्त-व्यस्त हो गईं। जिससे आयोजकों को अतिरिक्त परेशानी झेलनी पड़ी। हालांकि मौसम के इस बदलाव से भीषण गर्मी से कुछ राहत जरूर मिली है। लेकिन किसानों और शादी समारोहों से जुड़े लोगों के लिए यह राहत चिंता के साथ आई है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

आखिर कौन बचाएगा मंदिर और शिक्षास्थली की भूमि को..

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। ग्राम पंचायत मलोड़ा आबादी क्षेत्र तो ठीक राजस्व भूमि मंदिर तथा सरस्वती शिशु मंदिर पर भी अतिक्रमण -पटवारी /सरपंच सचिव पर संदेह की जद में हैं। भाटपचलाना के निकटतम ग्राम पंचायत मलोड़ा में अतिक्रमण की बाड़ आ गयी हैं। अतिक्रमण रोकने के लिए न तो पटवारी तैयार हैं न ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव, अतिक्रमण राजस्व भूमि तक तो ठीक था किन्तु अतिक्रमण? धारियों ने नये बजरंग बली मंदिर सरस्वती शिशु मंदिर को भी नहीं छोड़ रहे हैं, इतना ही नहीं उचित मूल्य की दूकान को भी घेर लिया है। अतिक्रमण करने वालों की हिम्मत इतनी बढ़ती जा रही है की मुख्य सड़क से आंगनवाड़ी केन्द्र तक छोटे छोटे बच्चों को जाने वाले मार्ग पर भी अतिक्रमण कर रखा है।

सूत्रों की मानें तो यह अतिक्रमण पटवारी और ग्राम पंचायत की शह पर हो रहा है। ताज्जुब है सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में हो रहे अतिक्रमण को रोकने के लिए संघ के कार्यकर्ता भी मोन साधे बैठे हैं। आखिर कौन बचाएगा मंदिर और शिक्षास्थली की भूमि को..? अब देखना होगा की खबर प्रशासन के बाद कुंभ करनी नींद में सोए जिम्मेदार अपनी नींद से जागते हैं या नहीं और अतिक्रमणकर्ताओं पर कार्यवाही की जाती है या नहीं यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

1021 वर्ष प्राचीन श्री आदिनाथ प्रभु के दिव्य बिंबों की भव्य पंचाह्निका प्रतिष्ठा महोत्सव

बड़ावदा नगरी में सजेगा भक्ति, श्रद्धा और धर्म आराधना का अनुपम संगम

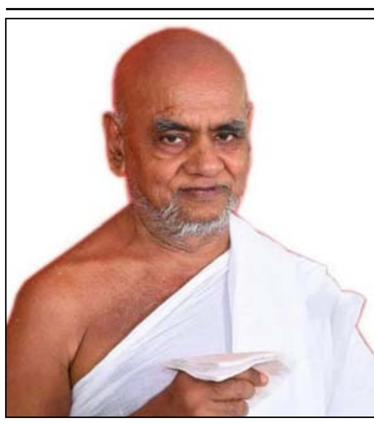

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में जैन त्रिस्तुतिक समाज के लिए अत्यंत गौरव एवं हर्ष का अवसर आया है। जीर्णोद्धारित एवं नवनिर्मित शिखरबद्ध जिनालय में प्रथम तीर्थंकर भगवान श्री आदिनाथ प्रभु अन्य जिनबिंबों एवं गुरु बिंबों की भव्य पंचाह्निका प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन आज 5 मई से 9 मई तक श्रद्धा एवं भक्ति भाव से संपन्न होगा। इस पावन अवसर पर सकल जैन श्रीसंघों को भावभरा आमंत्रण प्रदान किया गया है।

यह प्रतिष्ठा महोत्सव पुण्यसम्राट युगप्रभावक श्रीमद् विजय जयन्तसेन सूरीश्वरजी महाराजा के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद् विजय नित्यसेन सूरीश्वरजी म.सा. आदि श्रमण-श्रमणी वृंद की मंगलमयी निश्रा एवं शुभाशीर्वाद में आयोजित होगा।

प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ 5 मई से होगा, जबकि मुख्य प्रतिष्ठा दिवस 8 मई 2026, शुक्रवार को आयोजित किया जाएगा। आयोजन श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ, बड़ावदा एंव श्रीसंघ शुभाज्ञा से संघवी श्रीमती वालीबाई सागरमलजी छाजेड़ परिवार, पारा-झाबुआ (मध्यप्रदेश) द्वारा किया जा रहा है।

बड़ावदा स्थित श्री आदिनाथ जिन मंदिर का इतिहास अत्यंत प्राचीन, गौरवशाली एवं आध्यात्मिक महत्ता से परिपूर्ण रहा है। यह पावन तीर्थ लगभग 200 वर्ष से अधिक पुराना माना जाता है। मंदिर में विराजमान भगवान श्री आदिनाथ दादा की दिव्य एवं चमत्कारिक प्रतिमा मंदिर परिसर स्थित एक प्राचीन कुएँ से प्राप्त हुई थी।विशेष उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस प्रतिमा पर संवत् 1062 की अंजनशलाका अंकित है, जिससे यह प्रतिमा लगभग 1021 वर्ष प्राचीन सिद्ध होती है। यह प्राचीनता इस तीर्थ की ऐतिहासिक एवं धार्मिक महिमा को और अधिक बढ़ाती है। समय-समय पर इस प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार एवं विकास कार्य संपन्न होता रहा है। विशेष रूप से पूज्य आचार्य श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी महाराजा एवं पुण्यसम्राट युगप्रभावक श्रीमद् विजय जयन्तसेन सूरीश्वरजी महाराजा के पावन आशीर्वाद एवं प्रेरणा से मंदिर के पुनरुद्धार एवं उन्नयन के अनेक कार्य संपन्न हुए, जिससे तीर्थ की महिमा निरंतर विकसित होती रही।साध्वी श्री अविचलदृष्टा श्रीजी म.सा. की प्रेरणा से छाजेड़ परिवार, पारा द्वारा इस भव्य जिनालय के निर्माण का संकल्प लिया गया। 9 मई को प्रातः द्वार उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित होगा। सभी लाभार्थी परिवार द्वारा भगवान श्री आदिनाथ प्रभु एवं गुरु बिंबों की इस दिव्य प्रतिष्ठा महोत्सव में लाभ लिया गया है।

श्रीसंघ बड़ावदा की शुभाज्ञा से भारतवर्ष के समस्त श्रीसंघों को स्व.समरथमलजी-लीलाबाई सकलेचा परिवार, बड़ावदा द्वारा जय जिनेन्द्र व स्नेह आमंत्रण प्रेषित किया गया है।

बड़ावदा प्रतिष्ठा महोत्सव में जैन त्रिस्तुतिक श्री संघ सचिव ने जानकारी देते हुवे बताया कि आज पांच मई को आचार्य श्री आदि साधु साध्वी मंडल की शुभ निश्रा में श्री महावीर मंगल भवन एवं श्री राजजयंत आराधना भवन का लोकार्पण किया जाएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं और सुरक्षा मानकों को लेकर बैठक संपन्न

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी और अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बैठक आयोजित की गई। जिसमें अस्पतालों में सुरक्षा और सेवाओं की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये। दिल्ली में हुई एसी विस्फोट का जिक्र करते हुए इलेक्ट्रिकल ऑडिट रिपोर्ट की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि बढ़ते तापमान को देखते हुए सभी अस्पताल अपने विद्युत उपकरणों और वायरिंग की जांच गंभीरता से कराएं ताकि शॉर्ट सर्किट जैसी अप्रिय घटनाओं से बचा जा सके। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री संपत उपाध्याय ने पीएम राहत योजना के विस्तार पर चर्चा करते हुए कहा कि अधिक से अधिक अस्पतालों को इस योजना से जुड़ना चाहिए ताकि जरूरतमंद मरीजों को इसका सीधा लाभ मिल सके। उन्होंने इस प्रक्रिया में पुलिस विभाग की ओर से हर संभव सहयोग करने के लिए कहा। इसी क्रम में यातायात पुलिस अधीक्षक श्रीमती अंजना ने वर्तमान में योजना से जुड़े अस्पतालों की सीमित संख्या संबंध में कहा कि सभी स्वास्थ्य संस्थानों इसमें पंजीयन कराना सुनिश्चित करें। सुरक्षा तकनीकी पहलुओं पर जानकारी देते हुए विद्युत विभाग के अधिकारी ने सर्विस लाइन के रखरखाव, गुणवत्तापूर्ण वायरिंग और सही क्षमता के एमसीबी के उपयोग के महत्व को समझाया। उन्होंने विशेष रूप से लू और गर्मी के मौसम में बिजली की बढ़ती खपत के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया।

एक ही रात में दो जगह चोरी की वारदात एक टिम का अंदेशा

जिला सहकारी केन्द्रीय मर्यादित बैंक और हनुमान मंदिर में चोरी

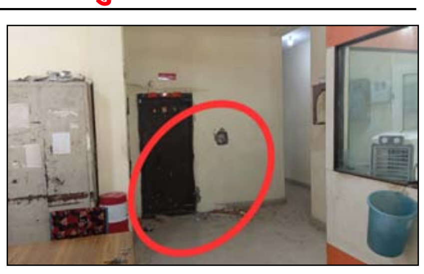

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/दैनिक मालावा हेराल्ड। खाचरोद में बैंक पुलिस थाना से 500 मीटर दुरी में चोरी की घटना सावधान रहें क्षेत्र के एकबार फिर चोरी की घटना को अंजाम दिया जा रहा है खाचरोद में जिला सहकारी बैंक और अन्य मंदिर में रविवार सोमवार रात्रि के दरमियान चोरी की? वारदात बताई जा रही है कुछ अज्ञात चोरों की टिम ने जिला सहकारी केन्द्रीय मर्यादित बैंक में गेट का नकुचा ओर ताला तोड़कर अंदर घुसे बैंक की अलमारी में चाबीयां को ढूंढने का प्रयास किया बैंक में घुसकर सीसीटीवी कैमरे कि केबल काट दी आलमारी ड्राज ओर कागजों को नुक़सान पहुंचाया बैंक के कैश लाकर को तोड़ने का असफल प्रयास किया नगदी नहीं मीलने पर चोर कम्प्यूटर डिवीआर ले उड़ें वहीं क्षेत्र के हनुमान मंदिर मंदिर भी तोड़ा गया है पुलिस थाना प्रभारी धनसिंह नलवाया ने बताया कि रात्रि गस्त टिम मुस्तैद थी सुचना मीलते ही खोजबीन शुरू करी क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी हमे कुछ क्लू मीले है शिघ्र ही आरोपी गिरफ्तार किए जाएंगे।

नॉट अटेण्ड सीएम हेल्पलाईन शिकायतों वाले विभागों पर लगाई जाएं पैनल्टी - कलेक्टर

अशोक नगर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री साकेत मालवीय की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा के अंतर्गत लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाईन अंतर्गत प्राप्त शिकायतों को अटेण्ड किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन विभागों द्वारा शिकायतों को अटेण्ड नही किया जायेगा,उन विभागों पर पेनल्टी लगाई जायेगी। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग अपनी सीएम हेल्पलाईन की ग्रेडिग में आवश्यक सुधार लाएं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ निराकरण नही करने वाले अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किये जाएं। उन्होंने जनगणना 2027 हेतु मकान सूचीकरण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनगणना कार्य में लापरवाही बरतने वालो के विरूद्ध सख्त कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनसुनवाई के प्राप्त आवेदनों के निराकरण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग से संबंधित आवेदनों का तत्परता के साथ निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिले में चल रहे एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि लक्ष्य के अनुरूप वैक्सीनेशन का कार्य पूर्ण किया जाए। बैठक में समर्थन मूल्य पर गेहूं,चना,मसूर के उपार्जन की प्रगति की समीक्षा की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने उपार्जन केन्द्रों पर स्लॉट बुकिंग, फसलों की खरीदी,परिवहन,भण्डारण एवं भुगतान की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों पर किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि उपार्जन केन्द्र पर किसानों से उपार्जित फसल की पोर्टल पर ऑनलाईन दर्ज की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए जिस उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटो की आवश्यकता है,उन केन्द्रों पर तौल कांटो संख्या बढाई जाए।

संपत्ति कर व जलकर वसूली को लेकर आयुक्त ने 4 करोड़ का टारगेट किया निर्धारित

9 मई की लोक अदालत के लिए दिए विशेष दिशा-निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार ने सोमवार 4 मई को संपत्ति कर एवं जलकर वसूली की समीक्षा बैठक ली। बैठक में राजस्व अधिकारियों को वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

आयुक्त ने कहा कि आगामी 9 मई शनिवार को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत को देखते हुए सभी वार्डो मे संपत्तिकर एवं जलकर के बिल 2 दिवस मे वितरण कर बकायादारों से सतत संपर्क कर लोक अदालत मे राशि जमा करवाये जाने पर फोकस करने के निर्देश दिए।

उन्होंने राजस्व विभाग के लिए 4 करोड़ रुपये का टारगेट निर्धारित करते हुए कहा कि सभी वार्ड प्रभारी वार्डवार सूची तैयार कर घर-घर संपर्क करें। आयुक्त ने कहा कि लंबे समय से कर जमा नहीं करने वाले करदाताओं के विरूद्ध कुर्की की कार्रवाई तैयार कर लोक अदालत के बाद बकायादारों पर कुर्की की कार्रवाई भी करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

इसी प्रकार कचरा संग्रहण शुल्क में प्रभारियों द्वारा वसुली प्रगति नही होने पर आयुक्त ने 7 दिवस में दिए गये लक्ष्य के अनुरूप वसुली नही होने पर वेतन रोकने की चेतावनी दी।

आयुक्त ने करदाताओं से अपील की है कि वे 9 मई शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत में संपत्तिकर एवं जलकर की बकाया राशि जमा कर नियमानुसार दी जा रही छूट का लाभ लेवें।

कलेक्टर श्री सिंह ने की शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों की समीक्षा

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज लंबित पत्रों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने विकास और जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने उपार्जन व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा कर शासन की मंशानुरूप कार्य करने के निर्देश दिये। स्वच्छता सर्वेक्षण के संबंध में उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी, विद्यालय और छात्रावासों पर साफ-सफाई सुनिश्चित करें, सूखा व गीला कचरा के लिए डस्टबिन रखें और नाडेफ भी बनवायें। प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना के संबंध में श्रमिकों को पंजीयन सुनिश्चित करनें, स्कूलों में विद्यार्थियों के प्रवेश और जनपदवार समग्र ई-केवायसी के संबंध में समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने इस दौरान निर्माण कार्यों की भी समीक्षा कर कहा कि बरसात के पूर्व यथासंभव निर्माण कार्य पूर्ण कर लें। साथ ही निर्माण कार्य से जुड़ी समस्याओं के निराकरण पर भी चर्चा की गई। जल गंगा संवर्धन अभियान को प्रभावी रूप से जमीनी स्तर पर लाने के प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ग्रीष्म काल में पेयजल की कहीं समस्या न हो इसके लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ सरपंच-सचिव बैठक कर अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करायें। बैठक में बाल आरोग्य संवर्धन, वन अधिकार अधिनियम अंतर्गत पट्टा के साथ प्रायमरी स्कूल के परिसर में यदि जगह हो तो वहां आंगनवाड़ी केन्द्र बनाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये गये। इसके साथ ही लंबित पत्रों तथा सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा की गई।

आगामी त्यौहारों/पर्वो के दौरान कानून व्यवस्था के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी...

झाबुआ/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए 01 मई 2026 को बुद्ध पूर्णिमा, 27 मई 2026 को ईदुज्जूहा, 17 जून 2026 को महाराणा प्रताप जयंती/छत्रसाल जयंती, 26 जून 2026 को ईद-उल-अदहा (ईदुज्जूहा के ठीक पूर्व का दिवस/मोहर्रम आदि अन्य त्यौहार मनायें जायेंगे। आगामी त्यौहारों/पर्वो के दौरान कानून व्यवस्था, सुरक्षा एवं साम्प्रदायिक सद्भाव की स्थिति को बनाये रखने के लिये असामाजिक तत्वों, अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों तथा निहित स्वार्थी तत्वों की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए सम्पूर्ण जिला झाबुआ क्षेत्रान्तर्गत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया जाना लोकहित में समुचित होगा।

पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ के पत्र द्वारा जिले में उक्त त्यौहार/पर्व में समाजजनों द्वारा रैली/जुलूस आदि निकाले जाते हैं अथवा किसी संगठन/आमजन द्वारा धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया जाता है, जिससे समाज में लोक परिशांति प्रभावित होती है एवं रैली/ जुलूस के दौरान कुछ लोग हथियार लेकर सम्मिलित हो जाते है। जिससे अप्रिय घटना घटित होने की प्रबल संभावना रहती है।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला झाबुआ डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (1) (2) में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया :-

झाबुआ जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में आपत्तिजनक साम्प्रदायिक और धार्मिक उन्माद फैलाने वाले गाने बजाने व सोशल मीडिया के संसाधन, फेसबुक, व्हाटसएप, ट्विटर, इंस्ट्राग्राम, इन्टरनेट आदि से ऑपत्तिजनक फोटो, कमेंट, चित्र पोस्ट करने अथवा अन्य आपत्तिजनक संदेश पोस्ट करना पूर्णतः प्रतिबंधित होगा।

झाबुआ जिले की सीमा में किसी भी संगठन द्वारा कोई धरना प्रदर्शन, जुलूस, रैली का आयोजन किये जाने से पूर्व आवेदन क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी को आवेदन प्रस्तुत कर अनुमति प्राप्त किया जाना अनिवार्य होगा। सभी कार्यक्रम के लिये आवेदन सक्षम पुलिस अधिकारी के अभिमत के साथ कम से कम 48 घण्टे पूर्व किया जाना तथा पुलिस अधिकारी के बिना आवेदन पत्र कम से कम 72 घंटे पूर्व प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। अनुमति प्राप्त करने वाले आयोजकों की यह जिम्मेदारी होगी कि वह पूरे कार्यक्रम/आयोजन की वीडियोग्राफी कराएगें। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं हिंसा रहित हो यह उत्तरदायित्व आयोजक संस्था का होगा।

प्रशासनिक अनुमति प्राप्त आयोजनों में ऐसे नारे/बैनर/पोस्टर का प्रयोग नहीं किया जायें, जिनसे किसी भी धर्म/वर्गों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचे। किसी भी कार्यक्रम के दौरान शस्त्र प्रदर्शन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। ऐसा पाये जाने की दशा में संबंधित त्रुटिकर्ता के साथ-साथ कार्यक्रम के आयोजक/आयोजकों का भी उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाकर उनके विरूद्ध विधिसम्मत कार्यवाही की जाएगी।

समस्त प्रकार के आयोजनों की अनुमति प्रशासनिक अधिकारियों से प्राप्त किया जाने के उपरांत ही आयोजन किया जाएगा। अनुमति प्राप्त नहीं होने पर किये जाने वाले आयोजनों को अवैधानिक घोषित करते हुए आवश्यक वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। चूंकि यह आदेश सर्व साधारण को संबोधित है व व्यक्तिशः समस्त को तामिल किया जाना संभव नहीं होने से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 (2) के अंतर्गत एकपक्षीय पारित किया जाता है। उक्त आदेश 01 मई 2026 से 01 जुलाई 2026 तक प्रभावशील रहेगा तथा उक्त प्रभावशील अवधि में आदेश का उल्लघंन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 अन्तर्गत दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आएगा।

नायब तहसीलदार ने मंडी का किया निरीक्षण, व्यापारियों को दिए निर्देश

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मौसम में आए बदलाव को देखते हुए नायब तहसीलदार अरुण चंद्रवंशी ने कृषि उपज मंडी पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान ओपन खरीदी केंद्रों पर गेहूं खुले में पड़ा मिला जिस पर उन्होंने तत्काल तिरपाल बिछाने के निर्देश दिए। उन्होंने मंडी में मौजूद व्यापारियों से चर्चा कर आवश्यक सावधानियां बरतने के निर्देश भी दिए, ताकि बारिश और ओलावृष्टि से अनाज को नुकसान न हो। नायब तहसीलदार ने कहा कि मौसम को देखते हुए सभी व्यापारी और संबंधित कर्मचारी सतर्क रहें और व्यवस्थाएं दुरुस्त रखें।

9 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत हेतु प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 09 मई, 2026 को जिला बड़वानी में श्री महेन्द्र कुमार जैन मान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बड़यानी के मार्गदर्शन में विशेष न्यायाधीश / नोडल अधिकारी नेशनल लोक अदालत श्री लीलाधर सोलकी द्वारा मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी लिमिटेड के लिटिगेशन एवं प्रिलिटिगेशन प्रकरणों मैं एवं नगर पालिका के जलकर सम्पत्तिकर में शासन द्वारा दी गई छूट के प्रचार-प्रसार के वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विशेष न्यायाधीश श्री लीलाधर सोलंकी द्वारा जिला एवं तहसील के समस्त न्यायाधीशगण के साथ नेशनल लोक अदालत की पूर्व तैयारी हेतु वीसी के माध्यम से समीक्षा बैठक कर जानकारी ली व अधिक से अधिक प्रकरणों को निराकरण हेतु निर्देशित किया गया जिस पर उपस्थित न्यायिक अधिकारी द्वारा सहमति जताई। साथ ही बीमा कम्पनी के अधिवक्तागण के साथ बैठक रखी गई जिसमें श्री सोलंकी नोडल अधिकारी द्वारा लोक अदालत के माध्यम से ऐसे सभी मामले जिनमें बीमा पॉलिसी की शर्तों का उल्लंघन नहीं हुआ है ऐसे मामलो को लोक अदालत में रेफर कर निराकृत करने हेतु निर्देशित किया गया जिस पर समस्त अधिवक्तागण ने सहमति जताई। इस अवसर पर तृतीय जिला न्यायाधीश श्रीमती रेखा आर चन्द्रवंशी, प्रथम जिला न्यायाधीश श्री चन्दनसिंह चौहान, मुख्य न्यायिक मजि. श्री सुमित शर्मा, श्री अमूल मण्डलोई, सुश्री राजश्री भार्गव व पुष्पेन्द्र भार्गव न्यायिक मजि. बड़वानी, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ श्री सोहनलाल पाटीदार, बड़वानी, श्री धर्मेन्द्र शर्मा, श्री मनोज तिवारी, श्री निमेश त्रिवेदी, श्री नानूराम यादव, श्री ऋषभ दोशी आदि अधिवक्तागण उपस्थित थे।

अपनी भाषा को, जो जिंदा रखे उसका करें सम्मान

प्रेस क्लब पर बनी महर्षि नारद जयंती

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय करण और राष्ट्रवाद दोनों अलग-अलग चीजें हैं। मुझे गर्व है इस मालवा की धरती पर, जो व्यक्ति अपनी भाषा को जिंदा रखे उसका सम्मान करना ही चाहिए। कभी भी पत्रकारिता में धर्म को नहीं लाना चाहिए। उपरोक्त विचार वरिष्ठ पत्रकार विजय कुमार पांडे के हैं आप आप महर्षि नारद जयंती के अवसर पर प्रेस क्लब पर आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे।

प्रेस क्लब एवं विश्व संवाद केंद्र मालवा द्वारा आयोजित इस आयोजन में पत्रकारिता का भारतीय करण, जड़ों की और लौटती सूचनाओं विषय पर कई वक्ताओं ने अपने विचार रखें और पत्रकारिता पर बात भी की। आयोजन को संबोधित करते हुए डॉ भावना पाठक ने कहा कि अब अखबारों में गांव की खबरें नजर नहीं आती। आपने कहा सोशल मीडिया ने हमें सबसे बड़ी ताकत प्रदान की। होना यह चाहिए कि हम ऐसे लोगों को एकत्रित करें जो नागरिक पत्रकार बनना चाहते हैं, उन्हें हम ट्रेनिंग दे और यह पहल प्रेस क्लब को करनी चाहिए। आयोजन की अध्यक्षता कर रहे प्रेस क्लब अध्यक्ष नंदलाल यादव ने कहा कि अब जमाना सोशल मीडिया का और यही काम महर्षि नारद जी भी करते थे। आपने प्रिंट मीडिया की तरफदारी करते हुए कहा कि आज भी आमजन का विश्वास प्रिंट मीडिया पर है। आपने कहा पत्रकार बंदिशो का सामना कर रहे इसके बावजूद वे काम कर रहे हैं जो सराहनीय है। आयोजन में अतिथि परिचय प्रेस क्लब के कार्यकारी अध्यक्ष डॉक्टर विशाल सिंह हाड़ा ने किया। संचालन स्वामी मुस्कुराके ने किया वही आभार विभाग प्रचार प्रमुख सोहन कुमार उदेनिया ने माना। इस अवसर पर विश्व संवाद केंद्र मालवा के पदाधिकारी समेत वरिष्ठ पत्रकार साथी उपस्थित थे।

अपर कलेक्टर एवं जिला आपूर्ति अधिकारी ने उपार्जन केंद्रों का किया निरीक्षण

झाबुआ/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर श्री चंदरसिंह सोलंकी एवं जिला आपूर्ति अधिकारी श्री संजय पाटिल द्वारा उपार्जन केंद्र रायपुरिया एवं पाटीदार वेयरहाउस पेटलावद का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने उपार्जन केंद्रों पर किसानों को आ रही समस्याओं को गंभीरता से सुना एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रायपुरिया केंद्र पर गेहूं तौल में हो रही देरी को दूर करने हेतु केंद्र प्रभारी को तौल कांटों की संख्या 5 से बढ़ाकर 6 करने के निर्देश दिए गए।

इसके साथ ही तुलावटी एवं हम्मालों की कमी के संबंध में मंडी सचिव पेटलावद से चर्चा की गई। मंडी सचिव को निर्देशित किया गया कि व्यापारियों से समन्वय स्थापित कर अतिरिक्त लेबर पार्टी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे किसानों की गेहूं उपज की तुलाई समय पर एवं सुचारू रूप से हो सके तथा अनावश्यक विलंब की स्थिति न बने।

निरीक्षण में किसानों के लिए बैठने हेतु छाया, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था पाई गई। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि उपार्जन कार्य में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी व्यवस्थाएं सतत रूप से सुचारू बनी रहें।

निरीक्षण के दौरान ब्लॉक उपार्जन समिति के सदस्य, तहसीलदार, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी एवं वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा प्रत्येक केंद्र पर नियुक्त नोडल अधिकारी, कृषि विभाग के कर्मचारियों एवं सर्वेयर की उपस्थिति की जानकारी भी ली गई।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा एवं अंतरविभागीय समन्वय बैठक सम्पन्न

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागृह बड़वानी में सोमवार समय-सीमा सह अन्तरविभागीय समन्वय संबंधी बैठक में विभिन्न विभागों के विभागीय कार्यो की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा कर निम्नलिखित मुख्य निर्देश दिए गए:- 1. कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बैठक के दौरान जिला खाद्य एवं अपूर्ति अधिकारी से जिले में उपार्जन व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि खरीदी केंद्रों पर परिवहन, तौल कांटे और चालान की प्रक्रिया सुचारू और त्वरित होनी चाहिए ताकि किसानों को परेशानी न हो। साथ ही, कलेक्टर ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे केंद्रों का नियमित निरीक्षण करें और सौंपे गए कार्यों को पूरी गंभीरता से पूरा करें। 2. राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने बकाया राजस्व वसूली को लक्ष्य के अनुरूप करने के निर्देश दिए।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित व नियम विरूद्ध प्रयोग पर नियंत्रण हेतु प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर/डीजे/बैण्ड/प्रेशर हान) के अनियंत्रित व नियम विरुद्ध प्रयोग पर नियंत्रण हेतु जिले में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर नियंत्रण जनहित में आवश्यक है।

ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 की धारा 2 (ग) में जिला दण्डाधिकारी को जिले की सीमा में उक्त नियमों को लागू करने हेतु प्राधिकारी बनाया गया हैं। अतः इस परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम द्वारा ध्वनि द्वारा प्रदूषण नियंत्रण हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 (1) (2) के तहत् झाबुआ जिले की राजस्व सीमा हेतु आदेशित किया है कि:-

1- झाबुआ जिले के अंतर्गत समस्त उत्सव/आयोजन के दौरान लाउड स्पीकर, डी.जे., बैण्ड, प्रेशर हार्न तथा अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग, विहित प्राधिकारी की अनुमति के बगैर प्रतिबंधित रहेगा।

2- ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 द्वारा निर्धारित शेडयूल अनुसार निर्धारित ध्वनि का स्तर मानक सीमा से बाहर प्रतिबंधित रहेगा।

3- रात्रि समय 10.00 बजे से सुबह 6.00 बजे तक किसी भी प्रकार के लाउड स्पीकर, डी.जे., बैण्ड, प्रेशर हार्न तथा अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग, पूर्ण रूप से प्रतिबंधित होगा।

चूंकि यह आदेश आम जनता के महत्व का है तथा आम जनता को सम्बोधित है, जिसकी व्यक्तिशः सूचना दी जाना संभव नहीं होने से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163(2) के तहत एकपक्षीय पारित किया जाता है। उक्त आदेश 02 मई 2026 से 02 जुलाई 2026 तक प्रभावशील रहेगा तथा उक्त प्रभावशील अवधि में उक्त आदेश का उल्लघंन भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 अन्तर्गत दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आएगा।

शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के तारतम्य में आम जन को इस तथ्य से अवगत कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है कि 14 फरवरी 2000 को केन्द्र सरकार ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत दी गई शक्तियों का प्रयोग कर सार्वजनिक स्थलों में विभिन्न स्त्रोतों द्वारा होने वाले ध्वनि प्रदूषण के बढ़ते स्तर को नियंत्रित करने के लिए ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 को अधिनियमित किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एवं म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ जबलपुर द्वारा ध्वनि प्रदुषण नियंत्रण के संबंध में जारी निर्देशों के कड़ाई से अनुपालन कराने तथा ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित किये जाने के संबंध में प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देश दिये गये है। यह नियम म.प्र. राज्य में भी लागू है। शहर में ध्वनि विस्तारक यंत्र, लाउड स्पीकर, डी.जे. बैण्ड इत्यादि के प्रयोग से ध्वनि का स्तर बढ़ता है।

ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 के उल्लघंन के संबंध में उच्चतम न्यायालय, खण्डपीठ ने ध्वनि प्रदूषण पर फैसला देते हुए लाउडस्पीकरों और हार्न के यहां तक कि निजी आवासों में भी इस्तेमाल पर व्यापक दिशा निर्देश जारी किए हैं, जिसमें लाउडस्पीकरों, वाहनों आदि से उत्पन्न होने वाले शोर आदि को भी कवर किया गया है। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 यथासंशोधित के नियम 3(1) व 4(1) के अनुसार नियमावली के शेड्यूल में Ambient Air Quality Standards Âî respect of Noice Pollution के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों जैसे औद्योगिक, वाणिज्यिक, रिहायसी व शांत क्षेत्र में दिन व रात के समय अधिकतम ध्वनि तीव्रता निर्धारित की गई है, जो निम्नवत है:-

औद्योगिक क्षेत्र में प्रातः 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 75 डेसीबल, रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक 70 डेसीबल, वाणिज्यिक क्षेत्र में प्रातः 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 65 डेसीबल, रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक 55 डेसीबल, आवासीय क्षेत्र में प्रातः 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 55 डेसीबल, रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक 45 डेसीबल, शांत क्षेत्र में प्रातः 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 50 डेसीबल, रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक 40 डेसीबल निर्धारित की गई है।

म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा गत वर्षों में समय-समय पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों क्रमशः शांत क्षेत्र, रहवासी क्षेत्र, व्यावसायिक क्षेत्र एवं औद्योगिक क्षेत्र में परिवेशीय ध्वनि मापन का कार्य किया गया तथा यह पाया गया हैं कि उक्त क्षेत्रों में ध्वनि का स्तर मानक सीमा से अधिक है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आगामी त्यौहारों के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों, लाउड स्पीकर एवं डी.जे. इत्यादि के प्रयोग से ध्वनि प्रदूषण बढ़ने की संभावना व्यक्त की गई है एवं म.प्र. शासन, गृह विभाग वल्लभ भवन के द्वारा ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के निर्देश प्राप्त हुए है।

हीट स्ट्रोक से बचाव हेतु जिला अस्पताल में 5 बेड आरक्षित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गत दिवस आयोजित कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा जिला एवं सिविल अस्पतालों में हीट स्ट्रोक क्लीनिक प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए थे। उक्त निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के मार्गदर्शन में जिला अस्पताल झाबुआ में HRI वार्ड अंतर्गत हीट स्ट्रोक से प्रभावित मरीजों के उपचार हेतु 5 बेड आरक्षित किए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बी एस बघेल ने बताया कि हीट स्ट्रोक से बचाव एवं उपचार के लिए आवश्यक दवाइयों तथा चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई है, ताकि गर्मी के मौसम में आमजन को त्वरित एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। जिले में लगातार बढ़ते तापमान एवं गर्म हवाओं (लू) के प्रभाव को देखते हुए आमजन के स्वास्थ्य संरक्षण हेतु एडवाइजरी जारी की गई है। एडवाइजरी का उद्देश्य नागरिकों को गर्मी से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं, उनके लक्षणों की पहचान एवं समय पर उपचार के प्रति जागरूक करना है, ताकि संभावित रोगों एवं मृत्यु के जोखिम को कम किया जा सके। अत्यधिक गर्मी के कारण सूर्य दाह (सनबर्न), हीट क्रैम्प (शारीरिक ऐंठन), हीट एक्सॉशन (अत्यधिक थकावट एवं कमजोरी) तथा हीट स्ट्रोक (तापघात) जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। लू के लक्षणों में त्वचा पर लाल चकत्ते, सूजन या फफोले, तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में ऐंठन, अत्यधिक पसीना आना या कुछ मामलों में पसीना बंद हो जाना, कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी, त्वचा का अत्यधिक गर्म एवं शुष्क होना, नब्ज का तेज या कमजोर होना तथा बेहोशी जैसी स्थिति शामिल हैं। इन लक्षणों की समय पर पहचान एवं उपचार अत्यंत आवश्यक है। लू से बचाव हेतु पर्याप्त मात्रा में पानी, छाछ, ओआरएस घोल, लस्सी, नींबू पानी जैसे तरल पदार्थों का सेवन करें तथा शरीर में पानी की कमी न होने दें।

पर्यटन अर्थव्यवस्था के लिए है महत्वपूर्ण रोजगार के भी हैं अवसर

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी में प्राचार्य डॉ. वीणा सत्य के मार्गदर्शन में संचालित स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा पर्यटन का महत्व विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इसमें एम.ए. इतिहास के विद्यार्थियों ने भागीदारी की। प्राचार्य डॉ. सत्य ने कहा कि विद्यार्थियों को पर्यटन के बहुआयामी महत्व से अवगत होना चाहिए तथा इसके माध्यम से उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी होना चाहिए, ताकि वे इसका लाभ प्राप्त कर सकें। डॉ. मधुसूदन चौबे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यटन एक अत्यंत महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक क्रिया है, जो किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पर्यटन से न केवल विदेशी मुद्रा अर्जित होती है, बल्कि स्थानीय स्तर पर भी आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है। होटल, परिवहन, हस्तशिल्प, स्थानीय बाजार और सेवा क्षेत्र जैसे अनेक क्षेत्र पर्यटन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े होते हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों एवं अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में सोमवार को समयावधि पत्रों एवं अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं, लंबित प्रकरणों, जनहित से जुड़े मुद्दों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

बैठक में विगत एक वर्ष के दौरान लोक सेवा गारंटी अधिनियम एवं समाधान एक दिवस के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आमजन को समयसीमा में सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सम्मानित अधिकारियों में तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर श्रीमती रीतिका पाटीदार द्वारा 6267 आवेदनों का 98.2 प्रतिशत निराकरण, सीईओ जनपद पंचायत झाबुआ श्री बलवन सिंह मवासे द्वारा 8234 आवेदनों का 99.7 प्रतिशत निराकरण, सीईओ जनपद पंचायत मेघनगर सुश्री प्रज्ञा साहू द्वारा 4148 आवेदनों का 99.8 प्रतिशत निराकरण, सीईओ जनपद पंचायत थांदला श्री देवेन्द्र बराडिया द्वारा 4067 आवेदनों का 98.9 प्रतिशत निराकरण तथा सीएमओ नगर परिषद राणापुर श्री मिलन पटेल द्वारा 2788 आवेदनों का 100 प्रतिशत निराकरण किया जाना शामिल रहा।

बैठक में कलेक्टर ने जिले में सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा करते हुए गत माह प्राप्त 1892 शिकायतों के शीघ्र निराकरण एवं जिले की रैंकिंग में सुधार लाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने 1000 दिवस से अधिक समय से लंबित 10 शिकायतों की विभागवार समीक्षा की। जनजातीय कार्य विभाग की चार शिकायतों में से दो शिकायतें अनुकम्पा नियुक्ति से संबंधित पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने 300 दिवस, 100 दिवस एवं 50 दिवस से लंबित शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम को साहूकारी से संबंधित प्रकरणों में विशेष सतर्कता एवं संवेदनशीलता बरतने को कहा, ताकि किसी भी व्यक्ति का अनावश्यक शोषण न हो।

बैठक में कलेक्टर ने जिले में रेड क्रॉस सोसायटी के गठन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में सिकल सेल पीड़ित मरीजों को अक्सर रक्त की आवश्यकता होती है, जिसके लिए जनजागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की तथा 5 मई को जिला अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर में सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने कहा कि रक्तदान महादान है और रेड क्रॉस सोसायटी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने पंचायत स्तर पर लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। कार्यपालन यंत्री आरईएस को अमृत सरोवर निर्माण कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए।

नगरीय क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी क्षेत्रों में नियमित एवं सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पीएचई विभाग को पानी की गुणवत्ता की अनिवार्य जांच कराने तथा जिन बस्तियों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित है, उनकी पृथक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

बैठक में आगामी शिक्षण सत्र प्रारंभ होने के मद्देनजर स्कूलों के निरीक्षण हेतु कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि विभिन्न विभागों के फील्ड अधिकारियों के माध्यम से स्कूलों का निरीक्षण कराया जाए। निरीक्षण के दौरान शिक्षकों की उपस्थिति, विद्यार्थियों की उपस्थिति, आधारभूत सुविधाएं एवं शैक्षणिक व्यवस्थाओं की जांच हेतु चेकलिस्ट तैयार कर निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने नगरीय क्षेत्रों में चिन्हित जर्जर भवनों की समीक्षा भी की। बैठक में बताया गया कि झाबुआ में 11, मेघनगर में 2, थांदला में 15, पेटलावद में 4 एवं राणापुर में 3 जर्जर भवन चिन्हित किए गए हैं। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को भवन मालिकों को नोटिस जारी कर भवन खाली कराने एवं आवश्यकतानुसार जर्जर भवनों को डिस्मेंटल कराने के निर्देश दिए।

बैठक में सिकल सेल रोगियों की पेंशन योजनाओं की समीक्षा के दौरान जनपद स्तर पर 315 से अधिक आवेदन लंबित पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की तथा सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सिकल सेल पीड़ितों की पेंशन स्वीकृति में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

इसके अतिरिक्त बैठक में वनाधिकार दावों, नल-जल योजनाओं के हस्तांतरण, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, वृंदावन ग्राम योजना, एचपीवी टीकाकरण, गेहूं उपार्जन के बारिश पूर्व उठाव तथा ज्ञान भारतम एप पर पांडुलिपियों के संग्रहण की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा, सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, संयुक्त कलेक्टर श्री विजय कुमार मण्डलोई, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षयसिंह मरकाम, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ एवं मेघनगर, डिप्टी कलेक्टर्स सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

सावन सवारी से पहले शुरू हुई समय की रेस, अधूरे काम बढ़ा रहे टेंशन

तीन महीने में पूरा करना होगा सवारी मार्ग और मंदिर क्षेत्र का विकास, मानसून बना सबसे बड़ा रोड़ा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान महाकालेश्वर की सावन सवारी की तैयारियों के बीच उज्जैन में विकास कार्यों की रफ्तार और समयसीमा के बीच कड़ा मुकाबला शुरू हो गया है। 3 अगस्त से शुरू होने वाली सवारियों के लिए अब उल्टी गिनती चल रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि सवारी मार्ग से लेकर मंदिर परिसर तक कई अहम काम अभी अधूरे पड़े हैं।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष भगवान महाकाल की सवारी प्रशासन के सामने निर्माण कार्यों के बीच सबसे बड़ी चुनौती बनने जा रही है। समय और मौसम दोनों हैं। जहां एक ओर सिंहस्थ से जुड़े विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जून के अंत तक मानसून की दस्तक संभावित है। ऐसे में बारिश शुरू होते ही खुदाई, ड्रेनेज और सड़क निर्माण जैसे कामों की रफ्तार थम सकती है। महाकाल सवारी के रास्तों पर अभी भी बड़े स्तर पर निर्माण जारी है। सड़क चौड़ीकरण, पाइपलाइन बिछाने, ड्रेनेज सिस्टम और लाइटिंग जैसे काम अधूरे हैं। कई जगह मार्ग खुदा हुआ है, जिससे आने वाले समय में श्रद्धालुओं की आवाजाही चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

मंदिर परिसर भी पूरी तरह तैयार नहीं- मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए कतार व्यवस्था के लिए टनल और सुरक्षा ढांचे तैयार किए जा रहे हैं, लेकिन ये भी अभी निर्माणाधीन हैं। सावन में भारी भीड़ के दबाव को देखते हुए इनका समय पर पूरा होना बेहद जरूरी है।

शहर के प्रमुख क्षेत्रों में भी अधूरे काम- स्मार्ट सिटी के तहत चौराहों पर लाइटिंग और फसाड का काम अंतिम चरण में है, लेकिन महाराजवाड़ा क्षेत्र में रिटेनिंग वॉल और सड़क निर्माण अब भी अधूरा है। महाकाल रोड, बड़ा गणेश, 24 खंबा रोड जैसे प्रमुख मार्गों पर भी काम जारी है।

इस वर्ष सावन-भादौ में 6 सवारियां-

-3 अगस्त – पहली सवारी
-10 अगस्त – दूसरी
-17 अगस्त – तीसरी
-24 अगस्त – चौथी
-31 अगस्त – पांचवीं
-7 सितंबर – अंतिम सवारी

प्रशासन सख्त, 24 घंटे काम के निर्देश- कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने के लिए सख्त निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने साफ कहा है कि सावन शुरू होने से पहले सभी जरूरी कार्य हर हाल में पूरे किए जाएं। निर्माण एजेंसियों को तीन शिफ्ट में 24 घंटे काम करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि समयसीमा के भीतर सड़क, प्रकाश व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाएं पूरी तरह तैयार हो सकें।

चलती कार में लगी आग, युवको ने भागकर बचाई जान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 40 डिग्री से अधिक तापमान में चलती कार आग का गोला बन गई। धुआं उठता देख कार में सवार 2 लोगों ने ब्रेक लगा दिये थे। जिसके चलते दोनों की जान बच गई।

राजस्थान के निंबाहेड़ा निवासी लक्ष्यराज सिंह राठौड़ अपने साथी के साथ रिश्तेदारी में मिलने खाचरौद के ग्राम अर्जला पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी कार के बोनट से अचानक धुआं निकलने लगा। लक्ष्यराज ने कार रोककर जैसे ही बोनट खोला उसमें से आग की लपटे निकलने लगी। लक्ष्यराज और उसके साथी ने भागकर जान बचाई। लेकिन आग तेजी से फैली और कुछ ही मिनटों में पूरी कार आग का गोला बन गई। कार में आग लगने की सूचना मिलते ही खाचरौद पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया, लेकिन कार पूरी तरह जल चुकी थी। गनीमत रही कि दोनों युवक समय रहते कार से बाहर निकल गए, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि लगातार लंबी दूरी तय करने और भीषण गर्मी के कारण कार की वायरिंग में शार्ट सर्किट हुआ और आग लग गई। कार में डीजल फुल टैंक होने से आग तेजी से फैली उसमें रखा सामान भी और कपड़े भी पूरी तरह से जल गये थे। खाचरौद थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

गाली देने से रोका तो परिवार पर किया हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शराब पीकर गाली गलौच कर रहे युवक को रोका गया तो दो परिवारों के बीच विवाद हो गया। पत्थर-डंडे, लात-घूंसे चलने पर 7 लोग घायल हुए हैं। मामले में पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

इंदौर रोड स्थित प्रशांति धाम के समीप रेती घाट पर रहने वाले बालचंद पिता रतनलाल 40 साल, उसके पुत्र रामा बाबू 17 साल, पत्नी दुर्गा 38 साल, साले विष्णु और रिश्तेदार गोकुल के साथ आशीष नामक युवक को घायल हालत में रात को उपचार के लिए चरक अस्पताल लाया गया था। इस दौरान सामने आया कि आशीष शराबी प्रवृत्ति का है। जिसके चलते वह नशा करने के बाद बालचंद के घर के बाहर आए दिन गाली गलौच करता रहता है। रात में आशीष गाली गलौच कर रहा था। जिसको लेकर बालचंद ने विरोध किया और आशीष को घर के सामने से हटाने की कोशिश की। इसी बात पर पड़ोस में रहने वाले आशीष के परिजन देबु, पप्पू और 5-7 अन्य भी आ गए। विवाद मारपीट में बदल गया और पत्थर-डंडों के साथ लात-घूंसे चल पड़े। बालचंद की ओर से उसके परिवार के 6 लोग घायल हो गए। वहीं आशीष को भी चोट आई है। नानाखेड़ा थाना पुलिस ने घायलों के बयान दर्ज कर मामला जांच में लिया है।

सुबह 7 बजे ही 100 एक्यूआई के पार पहुंच रहा वायु प्रदूषण स्तर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में प्रदूषण का स्तर दिन ब दिन गंभीर होता जा रहा है। हालात यह है कि एयर क्वालिटी इंडेक्स सोमवार सुबह 7 बजे ही 100 एक्यूआई के ऊपर पहुंच गया था। ऐसे में सुबह से लेकर रात तक शहर की हवा दम घोंटने वाली रहनी लगी है। उल्लेखनीय है कि शहर में वायु प्रदूषण का स्तर लोगों का स्वास्थ्य खराब करने वाला हो चुका है। जबकि 51 को सामान्य और 101 से लेकर 200 के बीच का एक्यूआई मध्यम माना जाता है। उधर, 201 से 300 के बीच का एक्यूआई खराब माना जाता है। शहर में प्रदूषण का स्तर 100 से अधिक रहने के कारण लोग सांस की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। डॉ. एचपी सोनानिया ने बताया कि अभी गर्मी के मौसम में शुष्क हवा चलती है और धूल बहुत उड़ती है तथा वाहनों का धुआं भी इसमें मिलकर और हवा को खराब कर देता है। ऐसे में मास्क लगाकर निकलें, क्योंकि अस्थमा रोगियों को सांस संबंधी बीमारी और भी अधिक बढ़ जाती है। जिन रोगियों में यह बीमारी दबी हुई होती है वह उखड़ जाती है, इसलिए सावधानी रखें। इधर आज सुबह 7 बजे महाकाल क्षेत्र में वायु प्रदुषण का स्तर 108 एक्यूआई था। वहीं चामुण्डा चौराहे पर सोमवार सुबह यही स्तर 130 एक्यूआई तक पहुंच गया था। जबकि कल दोपहर 12 बजे से लेकर रात 9 बजे तक इन क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 127 एक्यूआई से ऊपर बना हुआ था।

बाल विवाह के साथ एनीमिया पीड़ितों के विवाह पर भी लगेगा प्रतिबंध

नई पीढ़ी को इस अनुवांशिक बीमारी से बचाने की हो रही तैयारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन में अब बाल विवाह की तरह ही सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित या इसके कैरियर (वाहक) युवक-युवतियों के विवाह को भी रोकने की दिशा में प्रशासन ने बड़ा कदम उठाने की तैयारी कर ली है। नई पीढ़ी को सिकल सेल जैसी अनुवांशिक बीमारी से बचाने के लिए ऐसे संभावित विवाहों पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल एनीमिया के मरीजों की संख्या अधिक है और यदि दो पीड़ित व्यक्तियों का विवाह होता है तो आने वाली पीढ़ी में बीमारी का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसी को देखते हुए अब प्रशासन स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर सामूहिक विवाह सम्मेलनों और सामाजिक आयोजनों में स्क्रीनिंग और जागरूकता का नया मॉडल लागू करेगा। ज्ञात हो कि 2047 तक स्किल सेल एनीमिया बीमारी को जड़ से खत्म करने का लक्ष्य के केंद्र सरकार द्वारा दिया गया। इसके लिए बड़े स्तर पर स्क्रीनिंग, इलाज और जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उज्जैन संभाग में भी इसे प्राथमिकता से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

सामूहिक विवाहों में होगी जांच- अब सामूहिक विवाह आयोजनों में शामिल होने वाले युवक-युवतियों की सिकल सेल जांच पर विशेष जोर रहेगा। जिन मामलों में दोनों पथ कैरियर या मरीज पाए जाएंगे, वहां विवाह को हतोत्साहित किया जाएगा। इसके लिए कार्ड बनाना, परीक्षण और काउंसलिंग जैसे उपाय तेज किए जाएंगे। बैठक में भीषण गनी को देखते हुए सभी जिला अस्पतालों और सिविल अस्पतालों में हिटस्ट्रोक क्लीनिक शुरू करने के निर्देश भी दिए गए।

हिरासत में आये युवक के पास मिला गांजा

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रम नगर ब्रिज के नीचे से रविवार शाम को पुलिस ने एक युवक को घेराबंदी कर हिरासत में लिया। जिसके पास से मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया है।

माधवनगर थाना टीआई गजेंद्र पचोरिया ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिलने पर विक्रमनगर ब्रिज के नीचे घेराबंदी कर लखन पिता जगदीशदास बैरागी 30 वर्ष, निवासी देवली रोड, आगर मालवा को पकड़ा गया है। जिसके पास से 1 किलो 900 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। मामले में एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया है सोमवार दोपहर आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया। बरामद गांजे की कीमत 30 हजार रुपये होना सामने आई है।

उज्जैन जिले में अब तक पौने 3 लाख मेट्रिक टन गेहूँ की समर्थन मूल्य पर खरीदी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन जिले में अभी तक समर्थन मूल्य पर सरकार ने पौने 3 लाख मेट्रिक टन गेहूँ खरीद लिया है। जिले के 33 हजार से अधिक किसानों को उनकी बेची गई ऊपज का 338 करोड़ का भुगतान भी हो चुका है। अभी भी खरीदी जारी है। खाद्य आपूर्ति विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक उज्जैन संभाग में अब तक 7,78,776 मेट्रिक टन गेहूँ खरीदी की जा चुकी है, जिसमें से 83 प्रतिशत यानी 6,45,995 मीट्रिक टन का परिवहन भी पूरा हो चुका है। सबसे अहम बात यह रही कि 1,10,176 किसानों को 1137.32 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। वहीं उज्जैन जिला उपार्जन और भुगतान के मामले में प्रमुख रूप से उभरकर सामने आया है। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह के मुताबिक जिले में 198 खरीदी केंद्रों पर 2,74,800 मेट्रिक टन गेहूँ खरीदी की जा चुकी है। यहां 33,879 किसानों को 338.08 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। खरीदी केंद्रों पर किसानों की सुविधा के लिए प्रत्येक केंद्र पर 6 तोल कांटे, छाया और पेयजल, कृषक बैठक कक्ष, मेडिकल किट, ट्रैक्टर पार्किंग, ठंडे पानी के टैंकर की व्यवस्थाएं की गई है।

महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुए हिमाचल के प्रमुख सचिव संजय गुप्ता

व्यवस्थाओं को सराहा-मध्य प्रदेशवासियों को हिमाचल आने का दिया आमंत्रण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। हिमाचल प्रदेश के प्रमुख सचिव संजय गुप्ता सोमवार तडके़ उज्जैन पहुंचे और महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती में शामिल हुए तथा दर्शन किए।

मंदिर पहुंचने पर महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा संजय गुप्ता का सत्कार किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने उन्हें मंदिर की परंपराओं और व्यवस्थाओं की जानकारी भी दी। भस्म आरती के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति थी। दर्शन उपरांत संजय गुप्ता ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि उज्जैन आकर उन्हें अत्यंत आध्यात्मिक अनुभूति हुई है। उन्होंने मंदिर प्रशासन एवं मध्य प्रदेश सरकार द्वारा श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि यहां दर्शन की प्रक्रिया सुव्यवस्थित और सुगम है, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होती। उन्होंने हिमाचल प्रदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां भी भगवान महादेव के अनेक प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर स्थित हैं, जहां श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश के नागरिकों को हिमाचल प्रदेश आने का आमंत्रण देते हुए वहां के धार्मिक स्थलों और प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव लेने का आग्रह किया। इस दौरान मंदिर समिति के अधिकारी एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। संजय गुप्ता की इस यात्रा को दोनों राज्यों के बीच धार्मिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल माना जा रहा है।

पौधारोपण का स्थल शहर की जरूरत को ध्यान में रखकर चयन करें

पेयजल के नियमित नमूने लेकर थर्ड पार्टी लैब्स में जांच करवाएं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सोमवार सुबह कलेक्टर कार्यालय सभागृह में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में नल जल योजनाओं के सुचारू संचालन के लिए किए जा रहे कार्यों की जनपदवार और नगरीय निकाय वार समीक्षा की। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले की जनपदों के सीईओ को समीक्षा कर निर्देश दिए सभी नल जल योजनाओं के संचालन का निरीक्षण कर योजनाओं के संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत करें। नगर निगम, सभी नगरीय निकाय और जनपद पेयजल के नमूने सतत् रूप से लेकर थर्ड पार्टी लैब्स में जांच करवाए और पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करें। सभी अनुविभागीय अधिकारी पेयजल की उपलब्धता की लगातार मॉनिटरिंग करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में जनगणना अंतर्गत किए जा रहे कार्य की समीक्षा कर निर्देश दिए कि सभी आवश्यक एंट्री पोर्टल पर आज शाम तक दर्ज करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी जनगणना के कार्य जिम्मेदारी पूर्वक समय-सीमा में गंभीरता से करें। जनगणना कार्य में लापरवाही बरतने पर सीधे अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी संबंधित पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करें। कलेक्टर श्री सिंह ने स्मार्ट सिटी सीईओ श्री संदीप शिवा को निर्देश दिए कि शहर की जरूरत को केंद्र में रखकर स्थलों का चयन कर पौधारोपण की कार्ययोजना में संशोधन करें। साथ ही पौधे पर्याप्त बड़े हो जिससे उनके सर्वाइवल के चांस ज्यादा रहे। पौधारोपण में जनभागीदारी सुनिश्चित करें और सामाजिक संस्थाओं को इस पावन कार्य में शामिल करें।बैठक में जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री शुभम अग्रवाल द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत किए गए कार्यों में उदासीनता दिखाने और लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

पश्चिम रेलवे महाप्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय का उज्जैन दौरा 6 मई को

रतलाम-उज्जैन रेलखंड का करेंगे निरीक्षण, सिंहस्थ 2028 निर्माण कार्यों को भी देखेंगे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय 5 से 7 मई तक क्षेत्रीय दौरे पर रहेंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार वे इस दौरान रतलाम, उज्जैन सहित महत्वपूर्ण रेलखंडों का निरीक्षण करेंगे तथा यात्री सुविधाओं और विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। खास बात यह है कि अपने इस दौरे के दौरान वे आगामी सिंहस्थ 2028 से जुड़े निर्माण कार्यों का भी अवलोकन करेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार महाप्रबंधक श्री पाण्डेय 5 मई को ब्रांदा टर्मिनस से ट्रेन संख्या 22543 द्वारा सुबह 11 बजे प्रस्थान करेंगे और उसी दिन रात्रि 9-10 बजे रतलाम पहुंचेंगे। रतलाम में वे सूरत-वडोदरा-रतलाम सेक्शन से जुड़े कार्यों का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद 6 मई को वे रतलाम से उज्जैन के लिए ट्रेन संख्या 12962 से शाम 6-55 बजे प्रस्थान करेंगे। उज्जैन आगमन के दौरान वे रेल सुविधाओं के साथ-साथ सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए चल रहे निर्माण कार्यों, स्टेशन उन्नयन, ट्रैक सुधार एवं यात्री सुविधाओं की तैयारियों का विस्तृत अवलोकन करेंगे। अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी देंगे। इस दौरे को रेलवे की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि सिंहस्थ 2028 के मद्देनज़र उज्जैन और आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अधोसंरचना विकास कार्य किए जा रहे हैं।

कलेक्टर श्री सिंह ने सोमवार दोपहर उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार किसान भाइयों को उपार्जित गेहूं पर बोनस सहित कुल 2625 रुपए प्रति क्विंटल राशि का भुगतान किया जा रहा है। किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन की अवधि भी 23 मई तक बढ़ाई गई है। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के नेतृत्व में जिले के सभी अधिकारियों द्वारा उपार्जन केंद्रों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है।

इसी क्रम में कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा सोमवार दोपहर उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम रामवासा स्थित करोहन समिति के उपार्जन केंद्र, ग्राम बमौरा स्थित मंगरोला उपार्जन केंद्र और ग्राम गोंदिया स्थित सेवा सहकारी समिति गोंदिया के उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार उपार्जन केंद्रों पर किसानों की सुविधा के लिए ठंडे पेयजल ,बैठने के लिए छांव की व्यवस्था और ग्रीष्म ऋतु दृष्टिगत ओआरएस, ग्लूकोज आदि की गई व्यवस्थाओं जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित समिति प्रबंधकों को स्लॉट बुकिंग कर आने वाले कृषकों का उपार्जन समयसीमा में करने के निर्देश दिए।

इंदौररोड पर रेस्टोरेंट में आधी रात को तोड़फोड़

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर रोड स्थित रेस्टोरेंट में रविवार-सोमवार रात वीडियो बनाने की बात को लेकर विवाद हो गया। रेस्टोरेंट में जमकर तोड़फोड़ भी की गई। मामले में नानाखेड़ा पुलिस ने तोड़फोड़ करने वाले पांच लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि सोमकुमार पिता रतनलाल यादव निवासी बालाजी एवेन्यू का इंदौर रोड पर श्रीकृष्णा फैमिली रेस्टोरेंट है। रविवार-सोमवार की रात करीब 12.15 बजे कुछ युवक रेस्टोरेंट के सामने आपस में झगड़ा कर रहे थे। विवाद देख सोमकुमार उनका वीडियो बना रहा था तभी कुछ युवक आए और मोबाइल छीन लिया और । रेस्टोरेंट पर आकर गाली-गलौच करते हुए तोड़फोड़ शुरू कर दी। उन्होंने बाहर से पत्थर और कुर्सियां फेंके जिससे कूलर, फ्रिज, डिस्प्ले काउंटर, छत की पीओपी, अंब्रेला, समोसा काउंटर, साउंड बॉक्स तहस नानाखेड़ा थाने के एएसआई राजेश जाट ने बताया तोड़फोड़ करने वाले युवक डांसर हैं जो शादियों में दूल्हा-दुल्हन की एंट्री करवाते हैं। वह एक शादी के इवेंट से लौट रहे थे। सभी रेस्टोरेंट पर पाउच-गुटखा खाने गए थे जहां विवाद में उन्होंने तोड़फोड़ की। मामले में आकाश, लखन, सनी, श्रवण और आशीष निवासी काला पत्थर के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। तोड़फोड़ से करीब 1 लाख रु. का नुकसान हुआ।

नवजीवन अभियान से बदली 92 बच्चों की जिंदगी

पुलिस ने काउंसलिंग, मार्गदर्शन और सहयोग देकर बच्चों में जगाया आत्मविश्वास

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन पुलिस ने नवजीवन अभियान के तहत 92 बालक-बालिकाओं को उनके परिवारों से जोडक़र उन्हें नई दिशा देने का कार्य किया है। पुलिस लाइन स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित काउंसलिंग कार्यक्रम में बच्चों और उनके अभिभावकों को शिक्षा और आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित किया गया।

यह अभियान मुस्कान अभियान का अगला चरण है, जिसका उद्देश्य विभिन्न कारणों से परिवार से दूर हुए बच्चों को भावनात्मक सहयोग, जीवन कौशल और सही दिशा प्रदान कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोडऩा है। उज्जैन एसपी की निगरानी में विशेष टीम ने वर्षभर घर-घर और गांव-गांव जाकर ऐसे बच्चों और उनके परिवारों से संपर्क किया। टीम ने बच्चों और अभिभावकों की अलग-अलग काउंसलिंग कर उनके बीच विश्वास और संवाद को फिर से स्थापित करने का प्रयास किया। इस साल जनवरी से अप्रैल तक दस्तयाब किए गए 92 बच्चे, जो किसी कारणवश घर छोड़ चुके थे, कार्यक्रम में अपने परिवार के साथ शामिल हुए। सभी का आत्मीय स्वागत किया गया और उन्हें जीवन में आगे बढऩे के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में नगर पुलिस अधीक्षक नानाखेड़ा श्वेता गुप्ता ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। वहीं पुलिस अधीक्षक ने काउंसलिंग करते हुए बच्चों को शिक्षा, कौशल विकास और करियर निर्माण के लिए प्रेरित किया। साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें भविष्य के प्रति जागरूक बनाया। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि वर्ष 2025 में 291 गुमशुदा बच्चों को खोजकर उनके परिजनों से मिलाया गया। इनमें 166 बालिकाओं को शिक्षा से जोडऩे पर विशेष ध्यान दिया गया। वहीं 57 से अधिक बच्चों को उनकी रुचि अनुसार खेल, सिलाई, पार्लर और अन्य कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा गया। अभिभावकों से कहा गया कि वे बच्चों पर कम उम्र में विवाह का दबाव न डालें और उनकी शिक्षा व मानसिक विकास पर ध्यान दें। बच्चों से संवाद बनाए रखना और उनकी समस्याओं को समझना जरूरी बताया गया।

कलेक्टर श्री सिंह की अध्यक्षता में जन्म-मृत्यु पंजीयन प्रणाली में तकनीकी समस्या एवं जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकानों का सूचीकरण एवं गणना) की समीक्षा बैठक संपन्न

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को जिला जनगणना समन्वय समिति तथा जन्म-मृत्यु पंजीयन संबंधी समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक के दौरान जानकारी दी गई कि डीसी-सीआरएस पोर्टल का ऑफलाइन ओटीपी किसी भी व्यक्ति के साथ साझा न करें, ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके।

जन्म या मृत्यु की किसी भी घटना पर सूचनादाता/परिवार से जन्म-मृत्यु सूचना फॉर्म भरवाकर घटना से संबंधित दस्तावेज संलग्न करें तथा 7 दिनों के अंदर पंजीयन सुनिश्चित करें, जिससे विलंबित पंजीयन की स्थिति न बने।

कलेक्टर श्री सिंह द्वारा बैठक में जिले में चल रहे जनगणना कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई और समस्त चार्ज अधिकारियों, प्रगणकों, पर्यवेक्षकों तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि समस्त चार्ज अधिकारी अपने प्रभार क्षेत्र के प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा प्रतिदिन किए गए कार्य की समीक्षा करें तथा एचएलबी कार्य नियत समयावधि में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। चार्ज स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम एवं आईटी सेल का प्रगणकों, पर्यवेक्षकों तथा आमजन में व्यापक प्रचार-प्रसार करें।

एचएलओ ऐप पर प्रगणकों को आ रही किसी भी तकनीकी समस्या का समाधान फील्ड ट्रेनर/मास्टर ट्रेनर से करवाएँ। चार्ज स्तर पर समाधान न होने पर जिला समन्वयक श्री तेजेन्द्र सिंह से त्वरित संपर्क करें।

समस्त नगरीय/ग्रामीण जनगणना चार्ज अधिकारी अपने चार्ज क्षेत्र की दैनिक प्रगति प्रतिदिन शाम 06-00 बजे तक आर ओ ग्रुप एवं जिला जनगणना ग्रुप पर भेजना सुनिश्चित करें।

जनगणना 2027 से संबंधित चल रहे कार्यों का सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा प्रिंट मीडिया के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जाए ।